इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

" यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

शुक्ला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
किडनी एवं मूत्र विशेषज्ञ
डॉ. तरुण ध्रुव
MBBS, FID, CCIDS, FIN
CONSULTING PHYSICIAN IN NEPHROLOGY
डायलिसिस व सभी प्रकार के पथरी का इलाज उपलब्ध
प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार
समय: सुबह 9:30 से 11:30
बसंतपुर, राजनांदगांव (छ.ग.)
Mo. 9301033013, 9752899208

वर्ष- 44 अंक - 209 राजनांदगांव, मंगलवार 17 जून 2025 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

इज़राइल के मिसाइल हमले में 230 की मौत, ईरान ने 370 मिसाइलें दागीं, 24 मारे गए, इज़राइल बोला-कीमत चुकानी होगी

तेहरान/तेल अवीव। इजराइल और ईरान दोनों ने एक दूसरे पर मिसाइलों की बौछार कर दी है। इजराइल ने ईरान के खुजिस्तान प्रांत पर मिसाइल हमला किया है ,जिसमें ईरान के 230 लोगों की मौत हो गई और 1,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में से लगभग 90 प्रतिशत नागरिक हैं। इधर ईरान ने भी इजराइल पर 370 मिसाइलें दागी हैं, जिनमें 24 इजराइलियों की मौत हो गई। ध्यान रहे कि इजराइली हमले ने रविवार रात को भी ईरान की तेहरान में 80 से अधिक ठिकानों पर हमला कर तबाही मचाई थी। हमलों के बाद तेहरान के कई इलाकों में बिजली और इंटरनेट सेवाएं बाधित हो गई हैं। इसी के साथ, इजरायल के रक्षा मंत्री इज़राइल कैट्ज़ ने साफ़ शब्दों में कहा, तेहरान के लोग तानाशाही की कीमत चुकाएंगे।

45 ईरानी महिलाएं और बच्चे मारे गए

सरकार की प्रवक्ता फतेमेह मोहजेरानी ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जंग के दौरान शुक्रवार से कम से कम 45 ईरानी महिलाएँ और बच्चे मारे गए हैं और 75 अन्य घायल हुए हैं। इज़राइल के एक सैन्य प्रवक्ता ने यह भी कहा कि इज़राइल ने ईरान पर हवाई श्रेष्ठता हासिल कर ली है और ईरान के सतह से सतह पर मार करने वाले मिसाइल लांचरों में से एक तिहाई से अधिक लांचरों को नष्ट किया जा चुका है।

ईरान के मिसाइल हमलों के जवाब में रणनीति बदलेगी - इजराइल

इजराइल ने कहा है कि ईरान के मिसाइल हमलों के जवाब में अब उसकी रणनीति बदलेगी। अगले दौर के हमले नागरिक ठिकानों के पास शासन की बुनियादी ढांचागत इकाइयों को निशाना बना सकते हैं। कैट्ज़ ने ज़ोर दिया कि आम नागरिकों को चेतावनी दी जाएगी ताकि वे सुरक्षित जगहों पर जा सकें।

यरुशलम से भी धमाकों की खबरें आईं

उधर इजराइल की राजधानी तेल अवीव से प्राप्त तस्वीरों में दिखाया गया है कि इजराइली सेना की ओर से नागरिकों को शरण लेने की चेतावनी दिए जाने के बाद इमारतें नष्ट हो गईं। यरुशलम से भी जोरदार धमाकों की खबरें आईं, रात का आसमान ईरानी प्रोजेक्टाइल से जगमगा उठा।

खामेनेई बोले- ज़ायोनी दुश्मन को भारी कीमत चुकानी होगी

ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने हमलों के बाद एक वीडियो संदेश में इजराइल को 'दुष्ट ज़ायोनी दुश्मन' बताते हुए कहा, 'अब उनका जीवन आसान नहीं रहेगा।' उन्होंने इस हमले को 'ज़ायोनीवादियों के लिए करारा झटका' बताया है। तेहरान और शिराज समेत कई शहरों में मिसाइलों से गूंजता हुआ आसमान, हजारों लोगों के लिए आतंक की रात बन गया। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

मोदी को साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान : राष्ट्रपति निकोस ने 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस |||' से नवाजा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने सोमवार, 16 जून को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। यह सम्मान साइप्रस की ओर से उन विदेशी नेताओं को दिया जाता है, जिन्होंने शांति, सहयोग और मानवता के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया हो।

भारत-साइप्रस संबंधों की नई ऊंचाई

निकोसिया स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान, दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय व्यापार, सुरक्षा, वैश्विक सहयोग और रणनीतिक साझेदारी पर विस्तृत चर्चा हुई। साइप्रस के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं निकोसिया पहुंचने पर भारतीय मूल के लोगों ने पीएम मोदी का आत्मीय स्वागत किया।

पीएम मोदी बोले-140 करोड़ भारतीयों के सामर्थ का सम्मान

प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान के लिए आभार जताया। साथ ही कहा, यह सम्मान सिर्फ नरेंद्र मोदी का नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह हमारी संस्कृति, क्षमताओं और वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा का प्रतीक है। मैं इसे भारत और साइप्रस के मैत्रीपूर्ण संबंधों और साझा मूल्यों को समर्पित करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे देश की 140 करोड़ जनता को समर्पित करते हुए कहा, यह सम्मान हमारे सामर्थ्य, आकांक्षाओं, सांस्कृतिक एकता और 'वसुधैव कुटुंबकम' की विचारधारा का सम्मान है। यह पुरस्कार शांति, सुरक्षा, संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और लोगों की समृद्धि के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने इसे भारत और साइप्रस के बीच मजबूत होते संबंधों की नई जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार किया। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि भारत-साइप्रस की सक्रिय साझेदारी भविष्य में नई ऊंचाइयों को छुएगी। कहा, हम दोनों देश मिलकर न केवल विकास को गति देंगे, बल्कि विश्व में शांति और सुरक्षा के लिए भी योगदान करेंगे। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

ईरान के सरकारी टीवी स्टूडियो पर इजरायल का हमला, लाइव बुलेटिन छोड़ भागी एंकर

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष का आज चौथा दिन है। चार दिन से लगातार इजरायल और ईरान एक दूसरे पर हमले कर रहे हैं। दोनों देशों को इस युद्ध के दौरान भारी नुकसान भी हुआ है। इस बीच इजरायल ने एक बार फिर से ईरान पर मिसाइलों से हमला बोला है। जानकारी के अनुसार, एक इजराइली मिसाइल ने ईरान के सरकारी समाचार प्रसारण स्टेशन (टीवी स्टूडियो) को निशाना बनाया है। इजरायली हमले के बाद सरकारी टेलीविजन ने अचानक लाइव प्रसारण रोक दिया गया है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि एक एंकर लाइव बुलेटिन के दौरान न्यूज पढ़ रही है। इसी दौरान स्टूडियो परिसर के पास एक मिसाइल आ गिरता है। इस घटना के दौरान बुलेटिन के बीच में एंकर डर गई और उसको उठकर जाना पड़ा। हालांकि, इस दौरान एंकर भागने में कामयाब हो जाती हैं। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पहलगाम हमला बिना आतंकी फंडिंग के संभव नहीं-एफएटीएफ

कहा- ऐसे हमले सिर्फ बंदूक-बारूद से नहीं होते, इनके पीछे फाइनेंशियल नेटवर्क

नयी दिल्ली। आतंकवादी वित्तपोषण नेटवर्क को खत्म करने के उद्देश्य कार्यरत वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले पर सोमवार को गंभीर चिंता जतायी और हमले की निंदा करते हुये कहा है कि पहलगाम और अन्य हालिया हमले पैसे और आतंकवादी समर्थकों के बीच धन स्थानांतरित करने के साधनों के बिना नहीं हो सकते थे। एफएटीएफ ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। एफएटीएफ का यह बयान ऐसे समय में आया जब भारत सीमा पार आंतकी गतिविधियों में पाकिस्तान की भूमिका को वैश्विक स्तर पर उठा रहा है।

सूत्रों का कहना है कि एफएटीएफ का यह बयान पाकिस्तान को फिर से ग्रेड सूची में डालने का जोखिम पैदा कर सकता है। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने पहलगाम में हमला कर 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी। एफएटीएफ की 25 अगस्त 2025 को एशिया प्रशांत ग्रुप की बैठक और 20 अक्टूबर 2025 को एफटीएफ वर्किंग समूह की प्रस्तावित बैठक के मद्देनजर भारत पाकिस्तान के आतंक वित्त पोषण को लेकर विस्तृत डॉजियर सौंपने वाला है ताकि पाकिस्तान को फिर से ग्रे लिस्ट में डाला जा सके। अभी 24 देश ग्रे लिस्ट में है। इस सूची में शामिल देशों को एफएटीएफ की निगरानी में उपाय करने होते हैं।

पाकिस्तान को सबसे पहले फरवरी 2008 में इस सूची में शामिल किया गया था और फिर जून 2010 में उससे बाहर हो गया था लेकिन फरवरी 2012 में यह फिर से इस सूची में आ गया और फरवरी 2015 में सूची से बाहर होने में सफल रहा। इसके बाद जून 2018 में यह फिर से ग्रे लिस्ट में आ गया और अक्टूबर 2022 तक इसमें रहा। उस समय पाकिस्तान को धन शोधन विरोधी और आतंक वित्त पोषण के विरूद्ध काम करने के लिए कहा गया था।

आतंकवादी वित्तपोषण से निपटने के लिए रूपरेखा निर्धारित करने के अलावा, एफएटीएफ ने देशों द्वारा लागू किए गए उपायों की प्रभावशीलता पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। इस तरह आपसी मूल्यांकन के माध्यम से उसने उन कमियों की पहचान की है जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। एफएटीएफ ने वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक अधिकार क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है। एफएटीएफ पिछले 10 वर्षों से देशों को आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम से दूर रहने में मदद करने के लिए काम कर रहा है।

स्कूल की टाइमिंग में बदलाव : 21 जून तक सुबह 7 से 11 बजे तक लगेंगी कक्षाएं

भीषण गर्मी को देखते हुए लिया गया निर्णय

रायपुर। प्रदेशभर में आज स्कूलों का नया सत्र प्रारंभ हो गया है। इस बीच भीषण गर्मी को देखते हुए समय में बदलाव करने का निर्णय लिया गया है। वहीं इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी किया है। जिसके अनुसार, कक्षाएं दिनांक 17 से 21 जून तक सुबह 7.00 बजे से 11.00 बजे तक संचालित किया जायेगा।

वहीं प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को नए आयाम देने के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता योजना के तहत अब शिक्षा व्यवस्था को और सशक्त व भावी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। इस योजना के तहत मंत्री, विधायक और जिलों के कलेक्टर स्वयं स्कूलों का दौरा करेंगे और वहाँ की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण करेंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में विशेष ध्यान

नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत सोमवार से प्रदेशभर के स्कूलों में हो चुकी है। इसी के साथ यह योजना भी लागू (शेष पृष्ठ 6 पर...)

'सुप्रीम लीडर खामेनेई के अंत के बाद ही रुकेगा संघर्ष', नेतन्याहू के नए बयान से पूरी दुनिया में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। इजरायल-ईरान संघर्ष के बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नातन्याहू ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ही यह संघर्ष खत्म होगा।

बंकर में छिपा है सुप्रीम लीडर?

ईरान को डर है कि इजरायल उनके सुप्रीम लीडर पर हमला कर सकता है। ईरान इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामेनेई की सुरक्षा के लिए उन्हें तेहरान में एक अंडरग्राउंड बंकर में भेज दिया गया है। उनके परिवार भी खामेनेई के साथ हैं। खामेनेई का उत्तराधिकारी माने जाने वाला उनका बेटा मोजतबा भी ईरान नेता के साथ मौजूद है। ईरान को डर है कि इजरायल उनके सुप्रीम लीडर पर हमला कर सकता है। ईरान इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामेनेई की सुरक्षा के (शेष पृष्ठ 6 पर...)

भाजपा विधायक दल की बैठक 18 को : प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन लेंगे बैठक

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी विधायक दल की बैठक 18 जून को होगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन दोपहर 12 बजे बैठक लेंगे। इस दौरान नितिन नबीन संकल्प से सिद्धि अभियान की समीक्षा करने के साथ ही कई अन्य बैठक लेंगे। इसके लिए नितिन नबीन मंगलवार को रायपुर पहुंचेंगे। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, अजय जामवाल, पवन साय भी मौजूद रहेंगे।

हिस्ट्रीशीटर तोमर मामले में बड़ा खुलासा, सूदखोरी का हिसाब रखने वाला मैनेजर गिरफ्तार

रायपुर। परदेशिया हिस्ट्रीशीटर रोहित सिंह तोमर और वीरेंद्र सिंह तोमर मामले में पुलिस ने एक बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने उनके मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी बंटी सहारे परदेशिया तोमर बंधुओं के फाइनेंस कंपनी का मैनेजर है। आरोपी परदेशिया तोमर बंधुओं का खास गुर्गा है। बताया जा रहा है कि आरोपी बंटी सहारे, परदेशिया तोमर बंधुओं के साथ मिलकर सालों से सूदखोरी का धंधा चला रहा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस के हाथ करोड़ों रुपये के लेनदेन के कागज़ात लगे हैं। बता दें कि, 3 जून को पुलिस ने परदेशिया तोमर ब्रदर्स के भाठागांव के घर पर छापेमारी की थी।

एयर इंडिया की शाम की फ्लाइट में तकनीकी खराबी, अचानक दिल्ली बुलाया

नई दिल्ली। सोमवार को दिल्ली से रांची के लिए उड़ान भरने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 9695 में तकनीकी खराबी के कारण यात्रियों और विमानन क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इस फ्लाइट को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर शाम 6.20 बजे लैंड करना था, लेकिन टेकऑफ के कुछ समय बाद ही विमान को तकनीकी कारणों से वापस दिल्ली के लिए डायवर्ट करना पड़ा। इस घटना ने एक बार फिर विमानन सुरक्षा और एयरलाइंस की तकनीकी तैयारियों पर सवाल उठाए हैं।

पायलट को तकनीकी खराबी का हुआ आभास

फ्लाइट एआई 9695 ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से शाम 4.25 बजे उड़ान भरी थी। जानकारी के अनुसार, उड़ान के कुछ समय बाद ही पायलट को विमान में तकनीकी खराबी का आभास हुआ। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क किया और विमान को वापस दिल्ली की ओर मोड़ने का निर्णय लिया। इस दौरान विमान रनवे पर भी लौटा, जो एक असामान्य स्थिति थी। हालांकि, इस घटना में सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित रहे, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

मानक प्रोटोकॉल का किया पालन

एयर इंडिया ने इस घटना की पुष्टि करते हुए (शेष पृष्ठ 6 पर...)

आम जनता एवं पीड़ित की समझ के लिए पुलिस की कार्य प्रणाली से उर्दू-फारसी के कठिन शब्दों की जगह उपयोग होगी सरल हिंदी- गृहमंत्री विजय शर्मा

पुलिस कार्यप्रणाली में उर्दू-फारसी के कठिन शब्दों की जगह होगी सरल हिंदी

रायपुर (दावा)। प्रदेश की पुलिस व्यवस्था को और अधिक जनसुलभ, पारदर्शी और संवादात्मक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के निर्देश के पश्चात अब राज्य की पुलिस कार्यप्रणाली में प्रयुक्त होने वाले कठिन, पारंपरिक एवं आम नागरिकों की समझ से बाहर उर्दू-फारसी शब्दों को हटाकर उनकी जगह पर सहज और प्रचलित हिंदी शब्दों का उपयोग किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आम नागरिक जब किसी शिकायत, अपराध सूचना अथवा अन्य कार्य से थाने जाता है, तो वह अक्सर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर या अन्य दस्तावेजों की भाषा को लेकर असमंजस में रहता है। अन्य भासाओ के शब्द आम लोगों के लिए अनजाने होते हैं, जिससे वे न तो अपनी बात ठीक से समझा पाते हैं और न ही पूरी प्रक्रिया को ठीक से समझ पाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस का उद्देश्य नागरिकों की सहायता और सुरक्षा है, तो उसकी भाषा भी ऐसी होनी चाहिए जो नागरिकों की समझ में आए और उनके विश्वास को बढ़ाए।

उपमुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पुलिस महानिदेशक द्वारा सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को एक आधिकारिक पत्र जारी किया गया है, जिसमें स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि पुलिस की व्यवहारिक कार्यवाहियों में प्रयुक्त कठिन, पारंपरिक शब्दों को सरल और स्पष्ट हिंदी में बदला जाए। इसके लिए एक शब्द सूची भी तैयार की गई है, जिसमें पुराने कठिन शब्दों के स्थान पर उपयोग किए जाने योग्य सरल विकल्प सुझाए गए हैं।

इस पत्र में यह भी निर्देशित किया गया है कि सभी अधीनस्थ अधिकारियों को इस विषय में अवगत कराया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि यह आदेश केवल औपचारिकता भर न रहे, बल्कि इसका वास्तविक कार्यान्वयन प्रदेश की प्रत्येक पुलिस चौकी, थाने और कार्यालय में दिखे।

छत्तीसगढ़ पुलिस अब केवल कानून का पालन कराने वाली संस्था न होकर जनसंवाद का माध्यम भी बनेगी। भाषा के इस सरलीकरण से शिकायतकर्ता को अपनी बात स्पष्ट रूप से कहने, सुनने और समझने में सुविधा होगी। एफआईआर जैसी प्रक्रिया, जो अब तक केवल अधिवक्ताओं या पुलिस कर्मियों की समझ में आती थी, वह अब आम (शेष पृष्ठ 6 पर...)

राजकीय सम्मान के साथ हुआ पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का अंतिम संस्कार, दी गई 21 तोपों की सलामी

अहमदाबाद। गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का सोमवार (16 जून) को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ। उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। उनके अंतिम संस्कार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सीएम भूपेंद्र पटेल भी शामिल हुए।

गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का सोमवार (16 जून) को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हो गया। उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। उनके अंतिम संस्कार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित और सीएम भूपेंद्र पटेल भी शामिल हुए। अहमदाबाद में 12 जून को हुए भीषण विमान हादसे में विजय रूपाणी की भी मौत हो गई थी।

लंदन जा रहा एयर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान, उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास हॉस्टल बिल्डिंग से टकरा गया। इस दर्दनाक दुर्घटना में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी समेत विमान में सवार कुल 242 लोगों में से 241 यात्रियों और क्रू मेंबर्स की मौत हो गई।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल के अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रजनीश पटेल ने बताया कि सिविल अस्पताल में लाए गए शवों में से 92 (शव अवशेषों) का डीएनए सैंपल मिलान कर लिए गए हैं। इनमें से 87 व्यक्तियों का डीएनए मिलान इसलिए किया गया है, क्योंकि इनमें दोहराव है। डॉ. रजनीश पटेल के मुताबिक, अहमदाबाद से 47 शव खेड़ा, अहमदाबाद, कोटा, महेसाणा, भरूच, वडोदरा, अरावली, आणंद, जूनागढ़, भावनगर, अमरेली, महिसागर और भावनगर भेजे गए हैं।

गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का सोमवार (16 जून) को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ। उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। उनके अंतिम संस्कार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सीएम भूपेंद्र पटेल भी शामिल हुए। बता दें कि, अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के प्लेन क्रैश में उनकी जान गई थी। विमान में कुल 242 लोग सवार थे, जिनमें से सिर्फ एक व्यक्ति ही बच सका। अन्य सभी 241 लोगों की मौत हो गई।

गुजरात के गृह मंत्री (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पहला कॉलम...

छह लोगों ने लिया देहदान का संकल्प

राजनांदगांव (दावा)। देहदान सेवा समिति के संयोजक ग्राम-रातापायली निवासी पुनारद दास के सानिध्य में इनकी छोटी बहन श्रीमती सुखमा बाई धर्मपत्नी स्व.बहुर दास साहू निवासी-कोटराभांठा, भाई बहु श्रीमती सरस्वती साहू धर्म पत्नी स्व. अजीत कुमार साहू ग्राम-आरला, देहदानी स्व. हरिशंकर गंजीर की धर्मपत्नी एवं टेकेश्वर गंजीर निवासी-खुर्सीपार की माँ श्रीमती सोनकुंवर गंजीर, दयालदास साहू निवासी- पांगरीकला, लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकार मंच संचालक रंगकर्मी शिक्षा विद डॉ. गजेन्द्र हरिहारनो दीप डोंगरगांव तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गीता हरिहारनों डोंगरगांव के द्वारा मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में देहदान पत्रक जमा किया गया। देहदान हेतु पतराम साव नया ढ़ाबा-9753550332, जगदीश 9098122252, रामस्वरूप देवांगन 8305044785, कुंवर सिंह वर्मा 9406244870, खेलू राम साहू 8269909100, डॉ. गजेन्द्र हरिहारनो 9826639082, लखन सार्वा 6268390149 एवं पुनारद दास साहू 9479172922 से संपर्क किया जा सकता है।

लाईफ स्टाईल क्लीनिक का आज शुभारंभ

राजनांदगांव (दावा)। महापौर मधुसूदन यादव द्वारा 17 जून 2025 को सुबह 7.30 बजे आयुष योगा वेलनेस सेंटर आयुष पॉली क्लीनिक दीनदयाल नगर चिखली में लाईफ स्टाईल क्लीनिक का शुभारंभ किया जाएगा। लाईफ स्टाईल क्लीनिक के माध्यम से आयुर्वेद में लाईफ स्टाईल से होने वाले रोगों एवं आहार विहार, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग की जानकारी प्रदान की जाएगी। क्लीनिक के माध्यम से समस्त रोगियों को खानपान, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग की विस्तृत जानकारी रोगानुसार प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में कोमल सिंह राजपूत, अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सचिन बघेल, पार्षद सुनील साहू, शिव वर्मा, श्रीमती श्रुति लोकेश जैन, नैना बाई तुरहटे उपस्थित रहेंगे।

कॉन्फ्लुएंस महाविद्यालय में नवीन सत्र हेतु प्रवेश प्रारंभ

राजनांदगांव (दावा)। छात्रों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की निःशुल्क सुविधा महाविद्यालय में उपलब्ध है। विद्यार्थी संपर्क करके अपना रजिस्ट्रेशन महाविद्यालय में करवा सकते है। कॉन्फ्लुएंस कॉलेज राजनांदगांव जिले की इकलौता निजी संस्थान हैं जिसे एनएएसी (नैशनल असिसमेंट एंड एक्रीडिएशन काउंसिल) द्वारा मान्यता प्रदान किया गया है। उत्कृष्ट महाविद्यालय के रूप में कॉन्फ्लुएंस कॉलेज ने अपना पहचान बनाया है। अभी वर्तमान सत्र में प्रवेश प्रारंभ हो चुका है। प्राचार्य डॉ. रचना पांडे ने कहा कि महाविद्यालय में बीकॉम., बीबीए., बीसीए एवं पी.जी.डी.सी.ए. तथा बी.एड. में प्रवेश प्रारंभ हो चुका हैं। विद्यार्थी अपना रजिस्ट्रेशन विश्वविद्यालय वेबसाइड में जाकर महाविद्यालय में रजिस्टर्ड होकर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए लाइब्रेरी, वाईफाई सुविधा एवं प्रशिक्षित तथा अनुभवी शिक्षकों की उपलब्धता है। यदि आप भविष्य के लिए चिंतित और आशातीत हैं तो आप कॉन्फ्लुएंस महाविद्यालय में प्रवेश लेकर अपने बेहतर भविष्य निर्माण की राह आसान कर सकते हैं।

आईटीआई में विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए 25 तक पंजीयन

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था राजनांदगांव में सत्र 2025 से प्रारंभ होने वाले विभिन्न व्यवसायों के रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित की गई है। विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए इच्छुक आवेदक 25 जून तक विभागीय वेबसाईट https://cgiti.admissions.nic.in पर ऑनलाईन पंजीयन करा सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी आईटीआई राजनांदगांव से प्राप्त की जा सकती है।

15 अगस्त तक क्लोज सीजन घोषित

राजनांदगांव (दावा)। शासन द्वारा वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि (प्रजनन) को दृष्टिगत रखते हुए मछलियों के संरक्षण हेतु छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम के तहत 16 जून से 15 अगस्त 2025 तक बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी नदियों-नालों तथा छोटी नदियों के रूप में जिन पर सिंचाई के तालाब जलाशय जो निर्मित किए गए है, में किए जा रहे केज कल्चर के अतिरिक्त सभी प्रकार का मत्स्याखेट पूर्णतः निषिद्ध रहेंगे। नियमों का उल्लंघन करने पर 1 वर्ष का कारावास अथवा 10 हजार रूपए का अर्थदण्ड अथवा दोनों एक साथ होने का प्रावधान है। नियम केवल छोटे तालाब या अन्य जल स्त्रोत जिनका संबंध किसी नदी-नाले से नहीं है, के अतिरिक्त जलाशयों में किए जा रहे केज कल्चर में लागू नहीं होंगे।

शाला प्रवेश उत्सव : स्कूलों के पट खुले, बढ़ी चहल पहल

राजनांदगांव (दावा)। गर्मी छुट्टी बीतने के बाद सोमवार 16 जून से स्कूलों के पट खुल गए हैं। स्कूल खुलते ही वहां बच्चों का चहल-पहल बढ़ गया है और लंबे समय बाद वहां रौनक देखने को मिली। सोमवार 16 जून को स्कूल खुलने से पहले रविवार को स्कूलों की खूब साफ-सफाई की गई और दूसरे दिन सुबह से ही शिक्षकगण उपस्थित होकर स्कूल आने वाले बच्चों के स्वागत में जुट गए।

इस दौरान शिक्षकों ने शाला प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर तथा मुंह मीठा कर स्वागत किया गया। बच्चों में चाकलेट बांटे गए। स्कूल खुलने कै दौरान बच्चों में किताबें और ड्रेस भी बांटे जाने थे लेकिन शिक्षा विभाग द्वारा चालू किए गए एप में स्कैन नहीं होने से अभी किताब व ड्रेस का वितरण नहीं किया गया है। आने वाले दिनों में बच्चों के ज्यादा संख्या में आने पर इसका वितरण किया जाएगा। सोमवार को शिक्षक - शिक्षिकाएं व स्टाफ के लोगों द्वारा स्कूल खुलने के साथ ही

शाला प्रवेशी बच्चों का किया गया स्वागत, बच्चों में देखी गई खुशियां

बच्चों के साथ धूमधाम से शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस दौरान स्कूलों में खासी रौनक बिखरी रही।

स्कूल टाइम में किया गया बदलाव

बता दें कि मानसून ने जरूर दस्तक दे दी है लेकिन गर्मी और उमस का माहौल अभी भी बना हुआ है। स्कूल शिक्षा विभाग ने उसे देखते हुए बच्चों का विशेष ख्याल रखा है और स्कूल के टाइम-टेबल में बदलाव किया है। मिली जानकारी के अनुसार स्कूल सुबह 7 बजे से 11 बजे तक लगेंगे। इससे पढ़ने वाले विद्यार्थियों को गर्मी और उमस से परेशान नहीं होना पड़ेगा। शाला प्रवेशोत्सव के साथ ही पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर दिए जाने की बात सामने आ रही है।

बता दें कि जिले में 779 प्राथमिक शाला व 349 माध्यमिक तथा 113 हायर सेकेंडरी व 54 हाई स्कूल है। इससे बार स्कूलों में शिक्षकों की कमी देखने को मिल सकती है। क्योंकि विभाग के 409 स्कूलों को युक्तियुक्तकरण कर जिन स्कूलों में कमी थी उन स्कूलों में पदांकन कर दिया गया है। बताते चलें कि सरकारी स्कूलों में लंबे समय से शिक्षकों की कमी थी। कई स्कूल ऐसे थे जहां दर्ज संख्या के अनुपात से अधिक शिक्षक कार्य रत थे। जिले के छह प्राथमिक शाला शिक्षकविहीन थे। वहीं 103 स्कूलों में एक ही शिक्षक थे। इसके चलते बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। युक्तियुक्तकरण के बाद अतिशेष शिक्षकों को जिन स्कूलों में कमी थी वहां पदांकन कर दिया गया है, वहीं जिन स्कूलों में बच्चों की निहायत ही कम दर्ज संख्या थी उसे नजदीक के स्कूलों में मर्ज कर दिया गया है।

शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध किया

राजनांदगांव (दावा)। शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ का युक्तियुक्तकरण रद्द करने, 2008 का सेटअप लागू करने, सोना साहू के तर्ज पर एरियर्स सहित समस्त शिक्षकों को क्रमोन्नत वेतनमान देने, प्रथम सेवागणना कर पुरानी पेंशन सहित समस्त लाभ देने एवं पदोन्नति में बीएड की अनिवार्यता खत्म करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेशभर के शिक्षक आज से काली पट्टी लगाकर स्कूल गए है। इस प्रकार साझा मंच का सांकेतिक विरोध प्रदर्शन जारी है।

० 30 जून तक चलेगा विरोध पखवाड़ा
० साझा मंच की चार सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर के स्कूलों में शिक्षक दिखा रहे नाराजगी

शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ के प्रदेश संचालक केदार जैन, मनीष मिश्रा, वीरेंद्र दुबे, संजय शर्मा, विकास राजपूत, कृष्ण कुमार नवरंग, राजनारायण द्विवेदी एवं जाकेश साहू ने बताया प्रदेशभर के 23 शिक्षक संगठनों के संयुक्त फोरम शिक्षक साझा मंच द्वारा अपनी मांगों को लेकर विगत दिनों से लगातार विरोध प्रदर्शन जारी है। समय के साथ हमने अपने आंदोलन का स्वरूप बदला है। अब हम बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिलवाएंगे। गणवेश एवं कापी-पुस्तक वितरण कराएंगे। नियमानुसार प्रतिदिन स्कूल जाकर बच्चों की पढ़ाई भी लगातार करवाएंगे। इसके साथ ही साथ प्रतिदिन 16 से 30 जून तक काली पट्टी लगाकर काम करते हुए सरकार की गलत नीतियों का सांकेतिक विरोध करते रहेंगे।

साझा मंच के प्रदेश संचालकगण भूपेंद्र बनाफर, शंकर साहू, भूपेंद्र गिलहरे, चेतन बघेल, गिरीश केशकर, लैलूंन भरतद्वाज, प्रदीप पांडे, प्रदीप लहरे, राजकिशोर तिवारी, कमल दास मुरचले, प्रीतम कोशले, विक्रम राय, विष्णु प्रसाद साहू, धरम दास बंजारे एवं अनिल कुमार टोप्पो ने कहा कि प्रदेशभर में 16 से 30 जून तक सभी स्कूलों में प्रवेश उत्सव समारोह में आए हुए ग्रामीणजन, गांव के पंच सरपंचगण, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, पालक समिति एवं विद्यालय प्रबंध समिति को सभी शिक्षकों द्वारा राज्य सरकार की शिक्षा और शिक्षक विरोधी कार्यों को बताया जाएगा।राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सभी प्राथमिक, मिडिल, हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में एक-एक शिक्षकों की संख्या कम की गई है। प्रधान पाठक के पदों को समाप्त किया जा रहा है। स्कूलों को मर्ज करने से प्रधान पाठक के पद समाप्त हो गए हैं। स्कूलों में शिक्षकों के पदों में कमी करने से गुणवत्ता प्रभावित होगी। प्राथमिक शाला में मात्र दो शिक्षक रह गए। इस प्रकार मिडिल स्कूल में मात्र 3 से 4 शिक्षक ही रहेंगे। क्या इन तीन से चार शिक्षकों और प्राथमिक शाला में दो शिक्षकों से शिक्षा में गुणवत्ता आ पाएगी, यह एक बड़ा प्रश्न है।

इसी बातों को लेकर शिक्षक साझा मंच का प्रदेश भर में काली पट्टी लगाकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन जारी है। शिक्षक साझा मंच ने छत्तीसगढ़ में प्रदेश के सभी जिले, समस्त विकासखंड एवं समस्त संकुलों में संघ प्रतिनिधियों एवं समस्त आम शिक्षक साथियों से अपील की है कि सभी शिक्षक आज से 30 जून तक प्रतिदिन काली पट्टी लगाकर स्कूल जाए एवं सरकार की गलत नीतियों का विरोध करें।

सेजेस विद्यालयों में संविदा भर्ती के लिए 30 जून तक ऑनलाईन एवं ऑफलाईन आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव (दावा)। शासन द्वारा जिले में संचालित 9 स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति व संविदा भर्ती हेतु सेटअप स्वीकृत किया गया है।

सेट्अप अनुसार 100 बिन्दु के आरक्षण रोस्टर का पालन करते हुए वर्ष 2021-22, 2022-23 एवं 2023-24 द्वारा आरक्षण नियम अन्तर्गत संविदा भर्ती किया गया था। जिसमें से अभ्यार्थी द्वारा त्याग पत्र व नौकरी छोड़कर जाने की स्थिति में उसी पद पर पूर्व आरक्षण के अनुसार ही संविदा नियुक्ति के लिए छत्तीसगढ़ के मूल निवासी व योग्यताधारी आवेदकों से 30 जून 2025 तक ऑनलाईन एवं ऑफलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है।

भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र आवेदक निर्धारित तिथि तक आवेदन पत्र गुगल फार्म के माध्यम से ऑनलाईन तथा निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव के कक्ष क्रमांक 108 पर स्प्रीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा एवं आवेदन पत्र ऑनलाईन एवं ऑफ लाईन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए राजनांदगांव जिले की वेबसाईट एवं जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव के सूचना पटल का अवलोकन किया जा सकता है।

श्री बागेश्वर कसौंधन वैश्य (गुप्ता) समाज के शपथ ग्रहण समारोह में पहुचे डॉ. रमन सिंह

राजनांदगांव (दावा)। श्री बागेश्वर कसौंधन वैश्य (गुप्ता) समाज का प्रांतीय अधिवेशन एवं शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम कल 15 जून 2025 को रॉयल पैलेस में सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में छ.ग. विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह पहुँचे, वह विशेष अतिथि बागेश्वर कसौंधन वैश्य (गुप्ता) समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विरेन्द्र गुप्ता व आयोजन समिति के अध्यक्ष बंशी (बंटी) लाल गुप्ता ने उपस्थित रहे । डॉ. रमन सिंह ने अपने द्वारा श्री बागेश्वर कसौंधन वैश्य (गुप्ता) समाज प्रदेश अध्यक्ष आशीष

गुप्ता को शपथ दिलवाया वह समाज के उत्थान व संगठनात्मक सशक्तिकरण की दिशा में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश अध्यक्ष आशीष गुप्ता अपने कार्यकाल में समाज को नई ऊँचाईयों तक पहुचाँयेंगे। कार्यक्रम में समाज के प्रमुख रूप से महिला व पुरूष बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम प्रभारी प्रदेश महासचिव विजय गुप्ता व उनकी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की जिससे कार्यक्रम अच्छी तरह से सम्पन्न हुआ।

आकाश राव गिरेपुंजे को दी गई श्रद्धांजलि

पूर्व महापौर, बसंतपुर थाना प्रभारी व सामाजिकजन हुए शामिल

राजनांदगांव (दावा)। महाराष्ट्रीयन तेली समाज द्वारा छत्तीसगढ़ के वीर सपूत व समाज के सक्रिय सदस्य शहीद आकाश राव गिरेपूंजे (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) को नमन किया। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित बसंतपुर थाना प्रभारी एमन साहू, पूर्व महापौर श्रीमति हेमा देशमुख, पूर्व पार्षद गणेश पवार व समाज के अध्यक्ष राजेश समरीत द्वारा शहीद आकाश राव गिरेपूंजे की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित सामाजिक सदस्यों द्वारा दो मिनट का मौन रख नम आंखों से नमन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में महिला मंडल अध्यक्ष मंजू बुटले, रमा देशमुख, भारती गवते, शोभा अवचट, नीतू लांबट, संध्या हटवार, साधना घाटोडे, नीता गायधने, रोशनी हटवार, रोहिणी समरीत, पंडित राजेंद्र दुबे, बसंत अवचट, कमल समरीत, भागचंद हटवार, संतोष समरीत, नरेंद्र बुरांडे, अनिल मानकर, सूर्यकांत साकुरे, बसंत समरीत, गजेंद्र लांबट, अरुण घाटोड़े, अशोक सतीमाहुरे, बंटी समरीत, संतोष हटवार, प्रकाश अवचट, महेश साकुरे, राजेश बिसने, राजू देशमुख, राकेश बिसने,अभिषेक देशमुख, अभिषेक गिरेपुंजे, दादू समरीत अन्य समाजिक सदस्य उपस्थित थे। उक्त जानकारी युवा मंडल अध्यक्ष प्रकाश (पिंटू) समरीत ने दी।

आज से 21 तक निःशुल्क योग शिविर

राजनांदगांव (दावा)। आयुष विभाग द्वारा 17 से 21 जून तक सुबह 6 बजे से सुबह 7 बजे तक आयुष योगा वेलनेस सेंटर आयुष पॉली क्लीनिक दीनदयाल नगर चिखली राजनांदगांव में निःशुल्क पांच दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया है। योग शिविर में प्रतिदिन योग प्रशिक्षक द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा। साथ ही लाईफ स्टाईल क्लीनिक का शुभारंभ हो रहा है। जिसमें योग एवं आहार से होने वाले लाभ के बारे में बताया जाएगा। नागरिक से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर योग शिविर का लाभ लेने की अपील की गई है।

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगढ़ 1 के न्यायालय में मामला क्रमांक 2025060952000 14

विषयः- ब-121 मामले की श्रेणीः राजस्व
सनः- 2024-25 नागतराई प.ह.नं. 00021 (हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- सीता टंडन, अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सीता टंडन पति खमेन्द्र टंडन जाति सतनामी सा. नागतराई तहसील डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदिका के भांजा चंद्रशेखर सायटोन्डे आ. फूलदास का जन्म दिनांक 19.12.2007 को ग्राम नागतराई में हुआ है, के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व दावा हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 27.06.2025 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/6/2025 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार डोंगरगढ़ (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डोंगरगढ़, जिला- राजनांदगांव (छ.ग.) ईश्तहार

रा.प्र.क्रं. 202505092100028 अ/6 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कमल साहू आ. स्व. सुकालू साहू उम्र 59 वर्ष जाति- तेली निवासी ग्राम- विनोबा भावे वार्ड नं. 13 बुधवारी पारा, डोंगरगढ़ तहसील-डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव (छग) द्वारा आवेदन पेश किया है कि आवेदक के पिता सुकालू साहू आ. रामू साहू के नाम से शामिलात खाते में नजूल शहर डोंगरगढ़ में शीट नं. 6 भूखण्ड नं. 1915/2 क, 1915/5 क, क्षेत्रफल 1044, 1043.6 वर्गफूट भू-भाटक 2.65 रू. तहसील डोंगरगढ़ जिला-राजनांदगांव (छग) में नजूल भूमि स्थित है, जो कि मेरे पिता सुकालू साहू की मृत्यु दिनांक 29/01/1997 को हो चुका है तथा मृत्यु पश्चात फौती दर्ज किये जाने का निवेदन किया है।

अतएव उक्त भूमि के नामांतरण किये जाने में किसी को कोई दावा, उजर, आपत्ति हो तो वह पेशी दिनांक 09/07/2025 तक स्वयं उपस्थित होकर इस न्यायालय में मेरे समक्ष पेश कर सकते है, नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) डोंगरगढ़ (छ.ग.)

जय भवानी व्यायाम शाला में 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन वेट लिफ्टिंग प्रशिक्षण शिविर संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। जय भवानी व्यायाम शाला में 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन भारोत्तोलन (वेट लिफ्टिंग) प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह व्यायामशाला में किया गया। इस गरिमामयी समापन समारोह के मुख्य अतिथि अमित आजमानी अध्यक्ष जिला भारोत्तोलन संघ व जय भवानी व्यायाम शाला अध्यक्षता शेख वसीम सचिव जय भवानी व्यायाम शाला, विशिष्ट अतिथि विवेक रंजन सोनी व अजय श्रीवास्तव के गरिमामय उपस्थिति व अतिथि में संपन्न हुआ। इस 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन भारोत्तोलन प्रशिक्षण शिविर के संबंध में जय भवानी व्यायाम शाला के संचालक व अध्यक्ष अमित आजमानी ने बताया कि, यह शिविर में क्षेत्रीय बच्चों को खिलाड़ी बनाने के उद्देश्य से व्यायाम शाला में 30

दिवसीय ग्रीष्मकालीन भारोत्तोलन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजित ग्रीष्मकालीन भारोत्तोलन शिविर 01 मई से 13 जून को व्यायाम शाला में संपन्न हुआ।

आजमानी जी ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन स्थानीय खेल युवक कल्याण विभाग व जय भवानी व्यायाम शाला के सहयोग से आयोजित किया गया। आयोजित इस ग्रीष्मकालीन शिविर में राजनांदगांव के बालक एवं बालिका बच्चें भारोत्तोलन के खिलाड़ी बनने के लिये बढ़-चढ़कर हिस्सा लिये और भारोत्तोलन के नये गुण सीखे। राजनांदगांव के स्थानीय लगभग 40 बालक-बालिकाएं बच्चों को इस शिविर में प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन लगातार 2003 से जारी है। इस शिविर में भारोत्तोलन के खिलाड़ी जिला, राज्य व देश का नाम रोशन कर चुके है। यह प्रशिक्षण शिविर का आयोजन खेल युवा कल्याण विभाग जय भवानी व्यायाम शाला व जिला भारोत्तोलन संघ यह शिविर जय भवानी व्यायाम शाला के वेटलिफ्टिंग प्रशिक्षक अशोक श्रीवास व राष्ट्रीय खिलाड़ी मौलेश यादव व सहयोगी खिलाड़ी मो. कौसेन नवाज, विरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण दिया गया।

इस शिविर के समापन समारोह में बच्चों ने 30 दिनों में जो गुण सीखें थे उसे प्रदर्शन करके अतिथियों का मन मोह लिया। प्रदर्शन करने वाले व प्रशिक्षण प्राप्त किये बच्चों को खेल विभाग द्वारा प्रमाण पत्र, खेल सामग्री व व्यायाम शाला के वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्यों द्वारा टी-शर्ट दिया गया। इस 30 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में प्रदर्शन करने वाले बच्चों के नाम- चिराग यादव, कु. वंदना यादव, अथर्व पात्रे, वेद वाजपई, वंश साहू, चंचल साहू, प्रणेश धनकर, कु. रोशनी वाघेला, कु. सुचित्रा कौशिक, चिराग सेन, एकाक्ष सेन, ऋषि सेन, अंकित श्रीवास, कु. गोदावरी यादव, कु. निलिमा साहू, कु. भूमि यादव, कु. प्रिया यादव, सुभम वाघेला, वीर ठाकुर, पीयुष यादव, लक्की सोनकर, वीरेन्द्र यादव, मो. कौसेन, प्रीतम देवांगन।

इस 30 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को सुचारू रूप से चलाने व गरिमामय प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह को सफल बनाने में जय भवानी व्यायाम शाला के वरिष्ठ पदाधिकारी व सक्रिय सदस्य नीरज शुक्ला, अशोक श्रीवास, दीपक ठाकुर, मनोज यादव, रामा यादव, अजय, कुलदीप, सुखराम मेश्राम, गोलू यदु, रवि गुप्ता, जग्गू ठाकुर आदि सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। इस कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त जय भवानी व्यायाम शाला के सह-सचिव अशोक श्रीवास ने किया। यह जानकारी जिला भारोत्तोलन संघ के सचिव अशोक श्रीवास ने दी।

शुभांक

अनुमानित

बी. के
1-4-0
578-0 115-7
राजधानी
3-5-8
334-0 467-7

चेतावनीः-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

लखोली स्थित पीएम आवास से बेदखली के विरोध में महिलाएं पहुंची नगर निगम

राजनांदगांव (दावा)। लखोली वार्ड नं. 35 के तालाब पार समीप स्थित पीएम आवास के रहवासियों को निगम द्वारा बेदखली का आदेश निकाल दिया गया है। इससे परेशान बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुषों द्वारा उक्त फरमान का विरोध करने अपने बाल-बच्चों के साथ नगर निगम में धावा बोला दिया गया। पीएम आवास के रहवासियों ने महापौर मधुसूदन यादव से इस संबंध में गुहार भी लगाई है तथा उनसे मांग की है कि उन्हें प्रदत्त आवास की लागत राशि उन्हें बजाय बैंक से कर्ज लेने के निगम में पटाएं जाने की सहुलियत प्रदान की जाए।

आवास राशि निगम में पटाएं जाने की मांग

पीएम आवास की पैसे पटाएं जाने का आदेश

लखोली बैगापारा समीप स्थित उक्त पीएम आवास में रहने वाले गरीब तबके के लोगों ने बताया कि वहां तकरीबन ढाई-तीन सौ लोग रहते हैं। उन्होंने पात्रता के आधार पर आवास घर उपलब्ध कराया गया है। पीएम आवास रहवासी कमला साहू, भूमिका साहू, अफसाना परवीन, आनंद सोनवानी, रोहित कुमार आदि ने बताया कि उन्हें पात्रता के आधार पर प्रदान किए गए आवास की राशि 2 लाख 75 हजार तय की गई है। जिसे उन्हें पटाना है। इसके लिए बैंक से कर्ज लेकर निगम को देने की बाध्यता की गई है। लोगों का कहना है कि यदि हम बैंक से उक्त राशि कर्ज में ले तो 10 साल में उसकी ब्याज सहित राशि डबल हो जाएगी। हम गरीब श्रमिक वर्ग के लोगों की उतनी बड़ी राशि देय की हैसियत नहीं है। अतः उन्हें नगर निगम द्वारा अन्य टैक्स की तरह पीएम आवास की राशि किश्तों के माध्यम से नगर निगम में ही पटाएं जाने की सुविधा प्रदान की जाए।

आग लगाकर आत्महत्या की थी पीएम आवास की महिला

बताते चलें कि नगर निगम में कांग्रेस की सत्ता के समय लखोली बैगा पारा समीप स्थित पीएम आवास में रह रहे लोगों ने 2022 मे उन्हें बेदखली का नोटिस मिलने पर कलेक्ट्रेट के सामने धरना प्रदर्शन व भूख हड़ताल की थी। इसके बाद भी आवास से उनके नहीं हटने पर पुलिस बल की मौजूदगी में उनके घर से सामान आदि फेंके जा रहे थे जिसके विरोध में वहां निवासरत जस्मीन बानो नामक महिला अपने उपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली थी। इससे बुरी तरह जली महिला की बाद में दुःखद मौत हो गई।

अभी भी आवास के पैसे नहीं पटाने वालों के घरों में बेदखली का नोटिस चस्पा कर दिए जाने की बात सामने आ रही है। जिसे लेकर लोग परेशान हैं और उन लोगों ने सोमवार को नगर निगम में धावा बोला। परेशान लोगों ने महापौर मधुसूदन यादव के समक्ष गुहार लगाई है। महिलाओं का कहना है कि महापौर श्री यादव ने उक्त पीएम आवास में निवासरत लोगों की सर्वे कराने की बात कही है तथा पात्र व अपात्र लोगों को चिन्हित किए जाने के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात उन्होंने की है। इससे महापौर पर भरोसा हो गया है कि उन पर बेदखली की कार्रवाई नहीं की जाएगी। वहीं उन रहवासियों ने महापौर से आवास की राशि प्रति महीने किस्तों के माध्यम से नगर निगम में पटाएं जाने की व्यवस्था देने की मांग की है। यदि ऐसा होने है तो बारिश के दिनों में उनके सिर पर छत सलामत रहेगा नहीं तो वे लोग कहीं के नहीं रहेंगे।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महापौर द्वारा लोगों को आश्वास्त किया है कि पीएम आवास में निवासरत लोगों की बेदखली कार्रवाई नहीं होगी।

मेहनत एवं लगन से पढ़ाई करें बच्चे - कलेक्टर

कलेक्टर पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय राजनांदगांव के शाला प्रवेश उत्सव में हुए शामिल

राजनांदगांव (दावा)। नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के दौरान आयोजित शाला प्रवेशोत्सव में बच्चों में उल्लास एवं खुशी का माहौल रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे आज पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय राजनांदगांव में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने नव प्रवेशित बच्चों को तिलक लगाकर एवं मीठा खिलाकर स्वागत किया। इसके साथ ही उन्होंने पाठ्यपुस्तक एवं गणवेश वितरण किया। उन्होंने बच्चों से बातचीत करते हुए अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि पहले पढ़ाई के समय अच्छे संसाधन एवं सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती थी। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आज के समय में शासन द्वारा स्कूल में पढ़ाई के लिए भरपूर संसाधन और सुविधाएं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि शासकीय स्कूलों से बच्चों को अच्छी सफलता प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए स्कूल में प्रवेश दिलाते हैं। माता-पिता अपने बच्चों के बेहतर भविष्य एवं सफलता के लिए सकारात्मक सोच रखते हैं। उन्होंने बच्चों को मेहनत एवं लगन से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। मजबूत इच्छाशक्ति एवं आत्मविश्वास से आप सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आप में से ही कोई कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, इंजीनियर, डॉक्टर होंगे तो कोई स्पोर्ट्स, शिक्षक, उद्योगपति जैसे बड़े पदों पर होंगे। अधिकांशतः सभी कक्षाओं में छात्राएं ही टॉप करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस शिक्षा सत्र में स्कूल से बहुत अच्छा परिणाम आना चाहिए। उन्होंने कहा कि माता-पिता बहुत विश्वास के साथ बच्चों को स्कूल में प्रवेश कराते हैं, उनकी बच्चों से बहुत अपेक्षाएं रहती हैं, आप सभी को इन अपेक्षाओं पर खरा उतरना है।

शाला विकास समिति के अध्यक्ष देवशरण सेन ने प्रवेशित बच्चों की उज्जवल भविष्य की कामना की। जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल ने बताया कि स्कूल में बहुत अच्छी लाईब्रेरी है। लाईब्रेरी का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए बच्चों को प्रेरित किया। इस अवसर पर शाला विकास समिति के सदस्य श्रीमती खेमिन साहू, लोमेश साहू, दिशी साहू, राकेश सिन्हा, राजेश यादव, चेतन यादव, विकासखंड शिक्षा अधिकारी धनीराम देवांगन, प्राचार्य श्रीमती सुनीता खरे, बीआरसी भगत सिंह ठाकुर सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

हादसों में आए कमी, गौसेवकों की अनूठी पहल-गौवंशों को बांधे जा रहे रेडियम बेल्ट

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल व स्वास्तिक जनसमर्पण सेवा समिति की संयुक्त सेवा

राजनांदगांव (दावा)। शहर एवं जिले भर में रात्रिकालीन हादसों में कमी लाने की दिशा में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं स्वास्तिक जनसमर्पण सेवा समिति ने एक सार्थक पहल की है। बरसात पूर्व अभियान के तहत रात्रि में घूमने वाले गौवंश को रेडियम पट्टी (बेल्ट) पहनाई जा रही है, जिससे वाहन चालकों को दूर से ही गौवंश दिखाई दे सके और दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। इस अभियान का उद्देश्य स्पष्ट है- गौसेवा और जनसुरक्षा। वर्षा ऋतु में दृश्यता कम होने से गौवंशों के साथ दुर्घटनाएं बढ़ जाती हैं, जिसे रोकने इस बार राजनांदगांव के गौसेवकों, जीवसेवकों, पशु चिकित्सकों व संस्थाओं के समन्वय से 1000 गौवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाने का लक्ष्य रखा गया है।

बजरंग दल अपने प्रत्येक खंड एवं प्रखंड स्तर पर हिंदुत्ववादी सेवा कार्यक्रम के तहत यह कार्य कर रहा है। संभाग सहसंयोजक सुनील सेन, जिला संयोजक राहुल मिश्रा एवं जिला सहसंयोजक अंशुल कसार एवं सत्यम मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सेवा विगत कई वर्षों से निरंतर जारी है और इसे वर्ष दर वर्ष व्यापक रूप दिया जा रहा है।

इस सेवा अभियान में न सिर्फ संस्थाएं, बल्कि स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और पशुप्रेमी भी जुड़ रहे हैं। गौवंशों की सुरक्षा के साथ-साथ सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों की भी रक्षा करना इस पहल का उद्देश्य है।

संगठनों ने नागरिकों से भी अनुरोध किया है कि यदि उनके मोहल्ले या क्षेत्र में कोई आवारा गौवंश है तो उसे रेडियम बेल्ट पहनाने के लिए संपर्क करेंए ताकि पूरे जिले में एक संगठित सुरक्षा कवच तैयार किया जा सके। यह सेवा संस्कारधानी राजनांदगांव को न सिर्फ गौसेवा के क्षेत्र में, बल्कि सामाजिक चेतना और सुरक्षा के मामले में भी एक मॉडल बना रही है।

धर्मेन्द्र शाह मंडावी को पब्लिसिटी ऑफिसर के पद पर मिला प्रमोशन

राजनांदगांव(दावा)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक कार्यालय में पदस्थ सहायक प्रकाशन अधिकारी धर्मेन्द्र शाह मंडावी को पब्लिसिटी ऑफिसर के पद पर पदोन्नति दी गई है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी रायपुर के मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) कार्यालय द्वारा जारी आदेश के तहत श्री मंडावी को राजनांदगांव क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रशासनिक कार्यालय में पदस्थ किया गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में श्री मंडावी के सेवाकाल की शुरूवात वर्ष 2015 से प्रारंभ हुआ। इस दौरान वे रायपुर क्षेत्र, मुख्यमंत्री सचिवालय, अंबिकापुर क्षेत्र में पदस्थ रहे। अविभाजित राजनांदगांव जिले के मोहला-मानपुर वनांचल क्षेत्र औंधी जैसे सुदुर अंचल से गरीबी और अपर्याप्त संसाधनों के बीच श्री मंडावी ने बीएससी (औद्यो. मात्स्यिकी), पत्रकारिता में स्नातक एवं स्नातकोत्तर, फोटो एवं विडियोग्राफी में डिप्लोमा, एमबीए की शिक्षा हासिल की। विद्युत मंडल में प्रतियोगी परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से सहायक प्रकाशन अधिकारी के पद पर वर्ष 2015 में सिलेक्ट हुए थे। इस अवसर पर राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट, अधीक्षण अभियंता राजनांदगांव वृत्त शंकेश्वर कंवर, अधीक्षण अभियंता कवर्धा वृत्त रंजीत घोष सहित सभी कार्यपालन अभियंताओं ने श्री मंडावी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

रॉयल किड्स कॉन्वेंट के छात्र मयंक साहू ने नीट 2025 में प्राप्त की अखिल भारतीय रैंक 1279

रायपुर (दावा)। रॉयल किड्स कॉन्वेंट स्कूल के होनहार छात्र मास्टर मयंक साहू ने नीट 2025 परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 1279 प्राप्त कर विद्यालय, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मयंक ने अपनी स्कूली शिक्षा नर्सरी से लेकर रॉयल किड्स कॉन्वेंट में पूरी की और अपनी मेहनत और लगन से इस मुकाम को हासिल किया।

मयंक की इस अभूतपूर्व सफलता पर स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों तथा अभिभावकों ने उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं। मयंक के पिता प्रेम साहू, जो बखरुटोला के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में व्याख्याता हैं, और माता श्रीमती जानकी साहू, जो शिकारिमहका के सरकारी उच्च विद्यालय में व्याख्याता हैं, ने अपने बेटे की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया है। विद्यालय परिवार ने कहा कि मयंक की यह उपलब्धि उनके कठोर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का प्रतिफल है। यह सफलता आने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगे। मयंक की यह उपलब्धि न केवल उनके लिए बल्कि पूरे विद्यालय परिवार एवं छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है।

विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. सविता जे.बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, निदेशक संजय बहादुर सिंह, सावंत बहादुर सिंह, जन्मजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर, प्राचार्य और मुख्याध्यापक शारदा सिंह गौर, गोपाल साहू, ममता मिश्रा, सरिता सिंह, एकता खंडेलवाल, अकैडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल और कोषाध्यक्ष इंद्र कुमार वैष्णव सर, बरसर, श्रद्धा साहू, हरीश साहू ने गर्वित छात्र मयंक और उनके अभिभावकों को बधाई दी है। रॉयल किड्स कॉन्वेंट परिवार में खुशी और बधाइयों का माहौल है, और सभी ने एक-दूसरे को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। हम सभी की ओर से मयंक को उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएं। रॉयल किड्स कान्वेंट शुरू से ही अपने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम एवं अव्वल दर्जे के प्लेसमेंट के लिए जाना जाता है। बुद्धिजीवी पालकों एवं प्रतिभावान छात्रों की पहली पसंद बन चुका है रॉयल किड्स कान्वेंट।

संकल्प सभा आज महावीर मंदिर प्रांगण में वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख़ होंगे मुख्य वक्ता

डोंगरगढ़ (दावा)। भाजपा राष्ट्रीय-प्रदेश व जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत के निर्देशानुसार डोंगरगढ़ शहर मंडल में संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम अंतर्गत विकसित भारत का अमृत काल, सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 साल बेमिसाल पूर्ण होने पर संकल्प सभा 18 जून को महावीर मंदिर प्रांगण डोंगरगढ़ में समय दोपहर 3 बजे आयोजन किया गया है। जिसमें मुख्य वक्ता खूबचंद पारख एवं सुरेंदर सिंग बन्नोआना होंगे। उक्त कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री रामजी भारती पूर्व विधायक विनोद बन्नोआना, कार्यक्रम संयोजक हरीश मोटघरे, सह संयोजक श्रीमती लक्ष्मी यादव,नागेन्द्र सिंह परिहार द्वारा इस संकल्प सभा मे सभी पूर्व विधायक गण, सभी वरिष्ठगण, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर पालिका उपाध्यक्ष, सभी पार्षद गण, सभी मंडल एवं मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी गण, सभी शक्ति केंद्र के प्रभारी, संयोजक, सहसंयोजक गण, सभी बूथ अध्यक्षगण एवं समस्त जेष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ताओ की उपस्थिति की अपील की गई है।

शोक सांत्वना व्यक्त करने योगेश दत्त मिश्रा के घर पहुंचे डॉक्टर रमन सिंह

राजनांदगांव (दावा)। श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा के भतीजे शिवनारायण मिश्रा शिवम की दुर्घटना में हुए निधन के कारण आज डॉ रमन सिंह एवं सांसद संतोष पांडे, योगेश दत्त मिश्रा के ब्राह्मण पारा स्थित निवास पहुंचेए जहां उन्होंने मिश्रा परिवार को दुख की इस घड़ी में ढांढस बंधाया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, गोलू गुत्ता, राधेश्याम गुत्ता, सुमित भाटिया एवं योगेश दत्त मिश्रा, वीरेंद्र दत्त मिश्रा, नागेंद्रदत्त मिश्रा एवं सत्यम मिश्रा, मोनू मिश्रा, उत्कर्ष मिश्रा सहित पूरा परिवार उपस्थित था।

शा. पूर्व माध्य. शाला एवं प्राथमिक शाला पारीकला में प्रवेश उत्सव मनाया गया

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला पारीकला में जनपद अध्यक्ष प्रतिमा चंद्राकर ने नव प्रवेशी बालक बालिकाओं को गुलाल से अभिषेक कर व मिठाई खिलाकर शाला में प्रवेश दिलाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के तैलचित्र की पूजन के साथ प्रारंभ हुआ। माँ सरस्वती की प्रार्थना के साथ सभी बच्चों ने आराधना किया। इस अवसर पर समाजसेवी रमेश चंद्राकर 'पप्पू', जितेंद्र चंद्राकर व अन्य ग्रामीण उपस्थित थे। श्रीमती चंद्राकर ने सभी बच्चों को स्नेहाशीष देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया।इस अवसर पर जेम्स मेडम, स्वाति जैन, चांदनी कंवर, शिक्षक विष्णु शर्मा उपस्थित थे।

अदूरदर्शी इच्छा शक्ति के चलते एथलेटिक ट्रैक बाधित- रूपेश दुबे

कृष्ण कुंज को बचाने कलेक्टर को पत्र

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे, विधायक डॉ.रमन सिंह की निष्क्रियता को रेखांकित करते हुए कहा कि इनके बेसुधी के कारण ही सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के लिए पैसा आने के बाद भी उचित स्थल चयन नहीं हो पा रहा है। कृष्ण कुंज को उजाड़ने के बजाय पर्याप्त पार्किंग वाले उचित स्थान चयन के लिए जिले के संवेदनशील कलेक्टर को पत्र प्रेषित किया गया है। प्रदेश प्रवक्ता रूपेश दुबे ने सीधे तौर पर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के नाम पर श्रेय, वाहवाही लूटने वाले एथलेटिक ट्रैक के लिए स्थल चयन नहीं करा पा रहे हैं जो दुर्भाग्यजनक है पूर्व में भी जब दिग्विजय स्टेडियम का निर्माण हुआ तब बेसुध नेतृत्व के चलते 3 करोड़ के बास्केटबाल कोर्ट को तोड़ गया और बिना पार्किंग का स्टेडियम नुमा सफेद हाथी खड़ा कर दिया गया। जिससे राजनांदगांव की खेल गतिविधियां शून्यता की ओर बढ़ गई हैं एस्ट्रोटर्फ की दुर्गति जग जाहिर है और अब यह ट्रैक निर्माण लगातार स्थल परिवर्तन रूपी अदूरदर्शिता की जाल में फंस गई है। कृष्ण कुंज जहां 15 लाख 33 हजार 625 रु. की लागत से 500 धार्मिक मान्यता के पौधे जिसमें लाल चंदन, रुद्राक्ष, मौलश्री, कदम, आंवला, पीपल, बरगद जिनमें जनता की धार्मिक आस्था भी है उस स्थान को शामिल कर निर्माण करना कुयोजना ही है जिससे पर्यावरण और एक पेड़ मां के नाम रूपी संकल्प का गला घोंटने पर संकल्पित है शहर में ऐसे और भी स्थान हैं जहां इस एथलेटिक ट्रैक का निर्माण कराया जाना चाहिए। लेकिन अल्पदर्शी हस्तक्षेप से जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों को सुविधा देने के बजाय योजना का ही भट्ठा बिठाने आमादा है। अतः कलेक्टर को पत्र लिख कर सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण बिना कृष्ण कुंज को उजाड़े व पर्यावरण को क्षति पहुंचाये उचित स्थान में निर्माण जल्द कराने पत्र लिखा है।

विनोबा एप के माध्यम से जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में उठाए गए प्रभावी कदम

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के नेतृत्व में जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाये गए है। जिले में विनोबा एप प्रोग्राम का शुभारंभ किया गया है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों में सुधार लाना और उनके लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करना है। जिला प्रशासन के शैक्षणिक कार्यक्रमों के बेहतरीन क्रियान्वयन एवं शासकीय स्कूलों की स्थिति सुधारने में विनोबा एप कारगर साबित होगा।

कलेक्टर ने शैक्षणिक कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए आपसी सहयोग एवं समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाती है और प्रेरक एवं उत्साही शिक्षक न केवल स्कूल में पढ़ाई के लिए अच्छे माहौल का निर्माण करते हैं, बल्कि बच्चों के जीवन को दिशा प्रदान करते हैं। बोर्ड परीक्षाओं के लिए बच्चों की तैयारी एवं परिणाम सुधारने के लिए विशेष कार्यक्रम एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। मासिक प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए मंथली टेस्ट का आयोजन किया जायेगा और विभिन्न विषयों में उनकी प्रगति का मूल्यांकन करते हुए बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित कर सकेंगे। साप्ताहिक एवं मासिक परीक्षा कक्षा 5वीं, 8वीं, 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के लिए विद्यार्थियों की प्रगति का मूल्यांकन करने के साथ ही ऐसे क्षेत्रों का चिन्हांकन किया जाएगा, जहां कार्य में गति लाने की जरूरत है, इसकी मॉनिटरिंग की जाएगी। विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्त करने हेतु मदद मिलेगी। विनोबा एप के माध्यम से जिले में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि विनोबा एप के माध्यम से समग्र विकास पर बल देते हुए आधारभूत साक्षरता एवं अंक गणित की समझ विकसित की जाएगी। छात्रवृत्ति स्कूल प्रवेश परीक्षा के लिए प्रेक्टिस टेस्ट, जेई-नीट के लिए मार्गदर्शन के साथ ही कविताएं-कहानियां एवं पढ़ाई को प्रेरित करना, स्पेलिंग सीखना स्पोकन इंग्लिश, किचन गार्डन, पर्यावरण क्लब, स्वास्थ्य जागरूकता, वित्तीय साक्षरता पर समझ विकसित की जाएगी। विनोबा एप शिक्षकों से कनेक्ट रहेगा, जहां शिक्षक अपने अनुभव शेयर कर सकेंगे। यह एप शिक्षकों को मदद करेगा एवं प्रेरित करेगा। विनोबा ऐप के माध्यम से बच्चों एवं स्कूलों को विभिन्न सुविधाएं मिलने जा रही है। जिसमें अलग-अलग विषयों के शिक्षकों के वीडियो विशेष टॉपिक पर उस विशेष कंटेंट्स पर, कठिन अवधारणाओं की समझ बनाने के लिए विभिन्न विषय विशेषज्ञों के कंटेंट वीडियो और इस तरह से विभिन्न सोर्सेस एप के माध्यम से उपलब्ध कराये जाएंगे। साथ ही इस ऐप के माध्यम से प्रत्येक महीने बेस्ट शिक्षक को पुरस्कृत किया जाएगा।

Vinoba Educational Android App

- जिला प्रशासन के शैक्षणिक कार्यक्रमों के बेहतरीन क्रियान्वयन एवं शासकीय स्कूलों की स्थिति सुधारने में विनोबा एप होगा कारगर साबित
- विभिन्न विषयों के शिक्षकों के वीडियो विशेष टॉपिक एवं कंटेंट्स से कठिन अवधारणाओं को समझने में मिलेगी मदद

महापौर रैली निकालना छोड़ जलापूर्ति की समस्या का निदान करें- संतोष पिल्ले

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने महापौर द्वारा शहर में निकाले गए जल यात्रा रैली पर कटाक्ष करते हुए कहा कि संस्कारधानी की जनता को पानी के महत्व के बारे में अच्छी तरह से जानती है प्रशासन द्वारा विज्ञापनों में पानी बचाने को लेकर लाखों करोड़ों रुपये खर्च किया जाता रहा है। अब विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन और महापौर मधुसूदन यादव के नेतृत्व में जल का महत्व आम जनता को बताने रैली का आयोजन किया जा रहा है जबकि पानी बचाओ महाअभियान का नाम देने वाले प्रशासन को क्षेत्र में हो रही जलापूर्ति की समस्या को दूर करने के लिए पहले पर्याप्त स्टोरेज का प्रबंध करना चाहिए। इसके साथ ही आम जनता को पर्याप्त पानी देने के किये उचित प्रबंध करना चाहिए।

पर्याप्त पानी स्टोरेज की आवश्यकता

श्री पिल्ले ने कहा कि आम जनता शासन-प्रशासन को पानी का पूरा टैक्स भुगतान कर रही है, इसके बाद भी आम जनता को पानी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है जबकि शासन-प्रशासन को पानी के लिए पर्याप्त स्टोरेज करने की आवश्यकता है। आज भी नांदगांव जिले की जनता एक मात्र जीवनदायनी नदी शिवनाथ के जरिये, दूसरे जिले से स्टोर पानी लाकर अपनी प्यास बुझाने के लिए मजबूर है। आम जनता के पैसों से अमृत मिशन के तहत करोड़ों रूपये खर्च कर पाइप लाइन का जाल पूरे शहर और शहर के 30 किलोमीटर बाहर तक बिछाई गई है दुर्भाग्यवश उन पाइप लाइन में पानी नही पहुच पाया है, साथ हीं कई नई टंकियां बनाई गई जिसको भरने में भी कई प्रकार की तकनीकी कठिनाइयां है। आज भी आम जनता को पानी पिलाने में प्रशासन अक्षम है। श्री पिल्ले ने कहा कि स्थानीय प्रशासन को जल बचाने रैली निकालने की बजाए व्यवस्था दुरुस्त करने की ओर पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

अनमोल दावा

"तरक्कियों की दौड़ में उसी का जोर चल गया, बना के रास्ता जो भीड़ से निकल गया।"

पाकिस्तान पारी से हारा

भारत के प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान पर भारत की निर्णायक जीत का जिक्र करने के लिए क्रिकेट की एक आकषक्र उपमा का इस्तेमाल किया।

कहा कि भारत ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 'पारी से हरा' दिया। जनरल चौहान सावित्री बाई फुले पुणो विविद्यालय के रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित 'भविष्य के युद्ध और संघर्ष' पर अपना भाषण पूरा करने के उपरांत सीडीएस वहां मौजूद विद्वानों के सवालों का जवाब दे रहे थे। क्रिकेट की उपमा देने से पहले जनरल चौहान ने फुटबॉल मैच का जिक्र किया था। कहा था, 'मान लीजिए आप एक फुटबॉल मैच में जाते हैं, और 4-2 से जीत जाते हैं, प्रतिद्वंद्वी ने दो गोल किए और आपने चार गोल किए।

तो यह बराबरी का मैच रहा। इसके तुरंत बाद उन्होंने रूपक के जरिए शत्रुता के परिणाम के बारे में स्पष्ट रूप से अंतर समझाने के लिए क्रिकेट का सहारा लिया। इस प्रकार भारत के शीर्ष कमांडर ने प्रकारांतर से भारत को हुए नुकसान की बात भी कही जब कहा कि पेशेवर सेनाएं अस्थायी नुकसान से प्रभावित नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि नुकसान महत्वपूर्ण नहीं होता, परिणाम महत्वपूर्ण होता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान को भारत हजारों जख्म देकर लहूलुहान करने की नीति पर चल रहा है, और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए से सीमा पार से आतंकवाद के खिलाफ भारत ने स्पष्ट लक्ष्मण रेखा खींच दी है। दरअसल, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के नजरिए अब स्पष्ट बदलाव देखा जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले से कुछ रोज पहले पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर ने भारत को लहुलुहान करते रहने की कुत्सित मंशा जतलाई थी। उसके कुछ रोज बाद ही पहलगाम की बैसरान घाटी में सैलानियों पर हमला करके पाकिस्तान ने अपने कुत्सित मंसूबे को पूरा करने का प्रयास तो किया, लेकिन भारत ने पूरी सख्ती से जवाब देते हुए उसकी जमीन पर चल रहे आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त करके मुकम्मल जवाब दे दिया। अब सीडीएस का यह कहना कि भारत अपने प्रतिद्वंद्वी को हजारों जख्म देकर लहूलुहान करने की नीति पर चल पड़ा है, तो यह पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी है कि नहीं संभला तो अपना खासा नुकसान कर बैठेगा। और किसी अन्य देश से मदद लेना भी उसके काम नहीं आने वाला। दरअसल, राजनीतिक नेतृत्व की दृढ़ता ने भारतीय सेनाओं का मनोबल बढ़ा दिया है।

बड़े सुधार की जरूरत

अहमदाबाद में हुए भीषण एयर इंडिया विमान हादसे ने आम देशवासियों की संवेदनाओं को तो झकझोरा ही है, देश में एविएशन सेफ्टी से जुड़ी पूरी व्यवस्था को ढंग से खंगालने और उसकी खामियों को दूर करने की जरूरत भी रेखांकित कर दी है।

सुरक्षा पहलुओं पर जोर : इस जरूरत को महसूस करते हुए ही सरकार ने हादसे के दो दिन बाद केंद्रीय गृह सचिव की अगुआई में एक कमिटी बनाई है, जो सुरक्षा से जुड़े पहलुओं की बारीकी से पड़ताल करेगी। ध्यान रहे, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट्स इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो पहले ही इस हादसे की जांच शुरू कर चुका है। अमेरिकी नैशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड भी इस जांच में हिस्सेदारी कर रहा है क्योंकि दुर्घटनाग्रस्ट विमान अमेरिकी कंपनी बोइंग ने बनाया था। ब्रिटिश एएआईबी की टीम भी इस जांच में सहयोग कर रही है। इस सबके बावजूद, इनसे अलग केंद्रीय गृह सचिव के नेतृत्व में यह विशेष जांच टीम गठित की गई है।

गंभीर नजरिया : जांच टीम में सिविल एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए और सिक्यॉरिटी रेगुलेटर ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्यॉरिटी (बीसीएएस) के प्रमुखों के साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों के संयुक्त सचिव स्तरीय अफसरों का शामिल होना बताता है कि सरकार इस समिति से गंभीर और बड़े बदलावों वाली सिफारिशों की अपेक्षा करती है। समिति के लिए डेडलाइन भी तीन महीने का ही तय किया गया है, जो इस मामले की अर्जेंसी बताता है।

फलता-फूलता सेक्टर : दो बड़ी वजहें हैं जो सरकार के इस रुख को आवश्यक बनाती हैं। पहली बात तो यह कि देश का एविएशन मार्केट यात्रियों की संख्या के लिहाज से दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा मार्केट बन चुका है। एयर कार्गो के लिहाज से यह छठा सबसे बड़ा मार्केट है। यही नहीं, हाल के वर्षों में हुए इन्फ्रा ग्रोथ और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने के प्रयासों को ध्यान में रखें तो इस क्षेत्र का आने वाले वर्षों में और तेजी से विस्तार होना तय लगता है।

सुरक्षा चूकों का मसला : दूसरी बात यह है कि अहमदाबाद हादसे को छोड़ दें तो बीच-बीच में छोटी-मोटी घटनाएं होती रही हैं, जिनसे सुरक्षा संबंधी चूकों और लापरवाहियों का पता चलता है। मिसाल के तौर पर, पिछले साल ही बीसीएएस ने इंडिगो को एविएशन सिक्यॉरिटी प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघन का दोषी पाकर उस पर जुर्माना लगाया था। एयर इंडिया भी कई लंबी दूरी के रूटों में सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के मामले में दंडित हुई थी। जाहिर है, देश में सिविल एविएशन सेक्टर की सक्सेस स्टोरी को कानून की कमियों या अमल की गड़बड़ियों की भेंट नहीं चढ़ने दिया जा सकता।

आज विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस...

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

ललित गर्ग

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य' है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं-खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी।

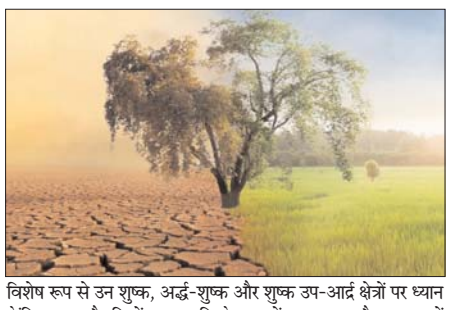

भूमि को पुनःस्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव-भूमि-को पुनःस्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ावा मिल सकता है, जलवायु कार्रवाई का समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह

विशेष रूप से उन शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, इन स्थानों पर सबसे कमजोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है।

मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ, वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं, इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी ''स्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019'' की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है।

भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है। मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वतः उत्पन्न होने वाली अनियोजित वनस्पति के कटाई को नियंत्रित करने के साथ ही पशु चरागाहों पर उचित मानवीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए।

उपजाऊ जमीनों का मरुस्थल में बदलना निश्चय ही पूरी दुनिया के लिए भारी चिंता का विषय है। इसे अब एक धीमी प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाने लगा है। अगर प्रकृति के साथ इस प्रकार से खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियां नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। आज आवश्यकता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर विशेष ध्यान दिया जाए, जिसमें मुख्यतः धूप, खनिज, वनस्पति, हवा, पानी, वातावरण, भूमि तथा जानवर आदि शामिल हैं। इन संसाधनों का अंधाधुंध दुरुपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर हैं। इस जटिल होती समस्या की ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न वैश्विक मंचों के कार्यक्रमों कुछ सार्थक कदम उठाने के लिये पहल करना मरुस्थल को उपजाऊ भूमि में बदलने की नयी संभावनाओं को उजागर करता है। इस तरह के समाधान से जहाँ भूमि संरक्षण और उसकी गुणवत्ता बहाल होगी। वहीं विस्थापन में कमी आयेगी, खाद्य सुरक्षा सुधरेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं से निजात मिल सकेगा। इस संदर्भ में देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र संघ व भारत सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन फिर भी उपलब्धियां नाकाफी रही हैं।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92

विचार सरिता

हंसी के किस्सा : कवि फंस गए ट्रैफिक में, चंद्रमुखी ने आकर निकाला बाहर

- डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

आजकल शहरों में यातायात प्रबंधन के लिए अनेक व्यवस्थाएं की जाती हैं। इनमें चौराहों और तिराहों में ट्रैफिक सिग्नल लगे होते हैं। इसके अलावा शहर के अनेक स्थानों पर यातायात नियंत्रित कर सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिशा सूचक चिह्न, विविध रंगों वाली रोड मार्किंग, गति सीमा चिह्न और बैरियर आदि लगे होते हैं। सड़क सुरक्षा के लिए दुपहिया वाहनों को हेलमेट और कार चालकों के लिए सीट बेल्ट बाँधना अनिवार्य होता है।

कवि कुमार एक दिन शाम को अपनी स्कूटी पर कहीं जा रहे थे। कवि कुमार हेलमेट पहनते हैं। वाहन के रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस समेत सभी कागजात अद्यतन रखते हैं। वे ट्रैफिक नियमों का सदैव पालन करते हैं। आज भी वे पूरी तरह तैयार होकर ही सड़क पर निकले हैं। वे नियमों का पालन करते हैं, यह तो ठीक है, लेकिन कई बार नियमों के पालन में आवश्यकता से अधिक पालन की सनक जैसी हरकत के कारण उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है।

आज कवि कुमार जैसे ही चौराहे पर पहुंचे, आगे ट्रैफिक सिग्नल लाल हो गया। अब उन्हें जाना बाईं ओर था, तो इस सिग्नल की परवाह न कर उन्हें बाईं ओर मुड़ जाना था, लेकिन वे वहीं रुके रहे। उनके पीछे बाईं ओर मुड़ने वाले वाहन आकर रुकने लगे और हॉर्न बजाने लगे, लेकिन हेलमेट लगाए कवि जी टस से मस नहीं हुए।

यातायात सिपाही ने आकर पूछा, 'आप आगे क्यों बढ़ नहीं रहे हैं?' कवि कुमार ने जवाब दिया, 'आगे सिग्नल रेड है।'

सिपाही, 'पर आपको तो बाएँ मड़ना है?'

'यह आपको कैसे पता?' कवि आश्चर्यचकित हो गए।

यातायात सिपाही ने कहा, 'आपकी स्कूटी का इंडिकेटर बाई ओर संकेत कर रहा है।'

'पर इससे क्या होता है? आगे तो सिग्नल रेड है।' कवि बोले।

'यह सिग्नल सीधे आगे बढ़ने वालों को रोकने के लिए है। आप बाई ओर तो जा ही सकते हैं।' यातायात सिपाही ने समझाया।

कवि इस तर्क को समझने की कोशिश कर ही रहे थे कि एक युवती की स्कूटी उनके बगल में आकर रुकी। ब्लू जींस, व्हाइट टॉप और आँखों में काला चश्मा लगाई हुई उस आधुनिक युवती ने पिंक हेलमेट पहना था और उसके खुले हुए बाल कंधों तक आकर लहरा रहे थे। कवि के देखते ही देखते वह युवती बाई ओर मुड़ी तथा कुछ दूर आगे जाकर ब्रेक लगाकर पीछे की ओर मुड़ी। उसने मुस्कुराते हुए कहा,

'आइए जीजू! वहां क्यों रुके हुए हैं? आप बाएं मुड़ सकते हैं।'

वह नवयुवती चंद्रमुखी थी। कवि झेंप गए। वे फौरन गाड़ी आगे बढ़ाकर बाएं मुड़ते हुए चंद्रमुखी के पास पहुंचे और कहा,

'मैं नियम जानता हूं। वह तो मैं ट्रैफिक पुलिस की मुस्तैदी की जाँच कर रहा था।''

शब्द सामर्थ्य -081

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे
1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

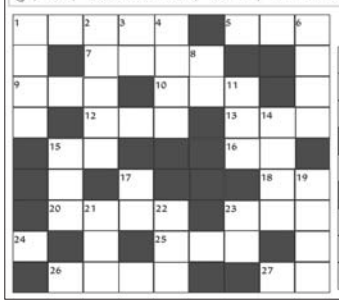

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 080 का हल

सामयिक चर्चा

दो छोटे नेताओं के आरोप

चौक पर पान ठेला के पास
कई लोग अखबार पढ़ रहे थे।
दो छोटे नेता कमेंट कर रहे थे -
एक ने कहा-
''कैसा दिन आ गया है यार!
हादसा से भर रहा रविवार!
देखो तो, पूणे में,
इन्द्रायणी नदी पर बना पुल टूटा,
चार की मौत हो गई,
अठारह लापता हो गये,
एक चालीस लोगों की जान बचा ली गई।
और उधर केदारनाथ से,
गुप्त काशी आ रहा हेलिकॉप्टर क्रैश,
सात की मौत,
दो दिन हेली सेवा पर रोक।''
दूसरा चिढ़ कर बोला-
''यह सब भाजपा के
खराब शासन के कारण हो रहा।''
फिर तो, पहले ने क्रुद्ध होकर
जोर से कहा- ''अरे तू तो,
एकदम नासमझ,
बेवकूफ, बेकाम हैं।
दरअसल ये सब दुर्घटनाएं,
कांग्रेसी राज की,
बद्इंतेजामी का परिणाम है।''

गिरीश बख्शी

सू- दोकू क्र.081

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.080 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

राशिफल

मेष – आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज बिजनेस में नए कामों को लेकर बनाई योजनाओं पर काम होगा। सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे। भूमि तथा वाहन से संबंधित व्यावसायिक गतिविधियों में सुधार आएगा। नौकरी में लक्ष्य व टारगेट को पूरा करने का दबाव बना रहेगा। अपने सहयोगियों की मदद से आप उसे हल करेंगे। आप पर काम का अच्छा खासा बोझ रहेगा। आज अनुभव की कमी के कारण कोई काम रुक सकता हैं। कुछ करीबी लोग आपकी भावनाओं का फायदा उठाएंगे।

वृष राशि – आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका स्वाभिमान और हिम्मत आपकी सबसे बड़ी संपत्ति हैं। आपके इसी स्वभाव की वजह से घर तथा बाहर मान-सम्मान बना रहेगा। अनुभवी तथा जिम्मेदार लोगों का मार्गदर्शन आपको और अधिक मजबूत बनाएगा। इस राशि के स्टूडेंट अपनी पढ़ाई पर फोकस रहेंगे। आज जीवन बहुत सहज और आसान लगेगा। आज आपको कुछ नए जन संपर्कों से लाभ मिलेगा।

मिथुन – मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज पिछले कुछ गलतियों से सीख लेकर अपनी वर्तमान कार्य प्रणाली में सुधार लाएंगे। इससे आपको अपने कामों को उचित तरीके से करने में सहायता मिलेगी। आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। किसी नजदीकी संबंधी के साथ चल रही गलतफहमियां दूर होंगी। आज व्यावसायिक संबंधी गतिविधियां सामान्य ही रहेगी। सफलता के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। अपने कर्मचारियों के सहयोगी बनेंगे।

कर्क – आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज व्यवस्थित दिनचर्या रहने और उसके बेहतर परिणाम मिलने से मन में संतुष्टि का भाव बना रहेगा। धार्मिक क्रियाकलापों में भी कुछ समय बीतेगा। किसी जन्मदिन या किसी अन्य पार्टी में जाने का अवसर मिलेगा तथा लोगों से मेल-मिलाप तथा बातचीत ज्ञानवर्धक रहेगा। आज परिस्थितियों को देखने का नजरिया बदलने की जरूरत है। समस्याओं को सकारात्मकता के साथ हल करेंगे तो बेहतर रहेगा।

सिंह – आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपकी व्यवस्थित कार्यप्रणाली के बेहतर परिणाम मिलने वाले हैं, इसलिए खूब मन लगाकर मेहनत करेंगे । राजनीतिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता और वर्चस्व बढ़ेगा। साथ ही आप अपनी फिटनेस पर भी समय देंगे। आज वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा। किसी मित्र से मुलाकात पुरानी यादों को ताजा करेगी। जिससे मन प्रफुल्लित रहेगा। आज बदलते वातावरण की वजह से सावधानी रखना अति आवश्यक है।

कन्या – आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज घर में रख-रखाव या सुधार संबंधी कोई योजना बन रही है, तो उसमें वास्तु के नियमों का अवश्य प्रयोग करे। इस समय आपकी कोई बड़ी समस्या भी हल हो सकती है। पारिवारिक तथा सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व भी रहेगा और लोग आपकी सलाह को महत्व देंगे। आज जीवनसाथी व परिवार जनों का सहयोग आपके आत्म बल व आत्मविश्वास को बनाकर रखेगा। और आप तनाव मुक्त होकर अपने काम पर ध्यान दे पाएंगे।

तुला – आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज बिजनेस में काम करने के तरीकों को और बेहतर बनाने के लिए बहुत मेहनत और एकाग्रता की जरूरत रहेगी। मुश्किल वक्त में किसी काबिल इंसान की सलाह लेना अच्छा रहेगा। आज कारोबार में व्यस्तता और दौड़-भाग से कुछ राहत मिलेगी और नई गतिविधियों की तरफ आप ध्यान दे पाएंगे। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं। सरकारी सेवारत व्यक्तियों को कोई यात्रा करनी पड़ सकती है।

वृश्चिक – आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। घर तथा व्यवसाय दोनों जगह उचित सामंजस्य बनाकर रखेंगे तथा व्यक्तिगत कार्यों के लिए भी समय निकालने में सफल रहेंगे। व्यक्तिगत संबंधों में घनिष्ठता आएगी। बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद व स्नेह से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। आज बिजनेस करने वालों के लिए समय अच्छा है। मार्केटिंग और संपर्क सूत्रों को और अधिक मजबूत करने में बिताएंगे। आज ऑफिस से संबंधित कार्यभार की अधिकता बनी रहेगी।

धनु – आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में किसी काम को कल पर न टालकर सही समय पर काम शुरू करने की कोशिश करेंगे तो आपको ज्यादा लाभ होगा। आपकी अंदरूनी व्यवस्था बनी रहेगी और इनकम भी बढ़ेगी। स्टाफ और कर्मचारियों का भी सहयोग व्यावसायिक गतिविधियों को और अधिक उत्तम बनाएगा। आज घर की देखरेख अथवा मरम्मत संबंधी कोई योजना बन रही है, तो अभी उस पर और अधिक मनन यानी विचार करने की जरूरत है। नौकरी में कार्यरत लोगों को किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता।

मकर – आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज दूसरों से ज्यादा उम्मीदें करने की बजाय अपनी कार्य क्षमता व योग्यता पर ही विश्वास रखें। आज आपकी किसी योजना को साकार रूप मिलने वाला है। इसलिए अपने प्रयासों में कमी ना आने दे। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में कुछ समय जरूर देंगे। इससे आप शारीरिक और मानसिक रूप से सकारात्मक बने रहेंगे। किसी मनोरंजक यात्रा का भी प्लान बन सकता है। आप अपनी कला का प्रदर्शन करके लोगों को हैरान करेंगे। निजीवन में चल रही समस्याओं से आपको छुटकारा मिलेगा।

कुंभ – आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज मार्केटिंग संबंधी काम पूरा करने पर ज्यादा ध्यान देंगे। आज सभी व्यावसायिक काम सुचारू रूप से होते जाएंगे, इसलिए अपनी पूरी मेहनत व ध्यान अपने कामों पर ही केंद्रित रखें। नौकरी कर रहे लोगों के लिए ऑफिस का वातावरण अच्छा रहेगा। आज जरूरत पड़ने पर किसी अनुभवी से सलाह लेना भी उचित रहेगा। आज ससुराल पक्ष के साथ रिश्तो को मधुर बनाकर रखें। घर के बड़े बुजुर्गों की सलाह का भी जरूर अनुसरण करेंगे।

मीन – आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज इनकम बढ़ाने की दिशा में चल रही कोशिश सफल होने के योग है। बच्चों द्वारा शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा। साथ ही पिछले कुछ समय से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा। आज पारिवारिक गतिविधियों में अपना योगदान रखेंगे, क्योंकि किसी गलतफहमी की वजह से घर के किसी सदस्य के साथ मतभेद हो सकता है। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अपनी दिनचर्या और खान-पान को संयमित ही रखें।

माई की नगरी पहुंचे पर्यटन मंडल के अध्यक्ष, विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल, ली कार्यकर्ताओं की बैठक

संत कबीर ने आडंबरों से दूर रहकर समाज को एक उत्कृष्ट संदेश दिया, उनके बताए मार्ग पर चलकर ही हम आध्यात्म को भली भांति प्राप्त कर सकते - नीलू शर्मा

डोंगरगढ़ (दावा)। पर्यटन मंडल छत्तीसगढ़ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नीलू शर्मा अपने एकदिवसीय प्रवास पर डोंगरगढ़ पहुंचे। सर्वप्रथम मां बमलेश्वरी देवी के नीचे स्थित मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना की व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। तत्पश्चात वे प्राचीनतम कबीर मंदिर छीरपानी में आयोजित कबीर जयंती के कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कबीर को आज भी प्रासंगिक बताया उन्होंने कहा कि संत कबीर एक ऐसे महामना हुए हैं जिन्होंने अपने जीवन काल में एक आदर्श को स्थापित किया तथा आडंबरों से दूर रहकर समाज को एक उत्कृष्ट संदेश दिया उनके बताए मार्ग पर चलकर ही हम आध्यात्म को भली भांति प्राप्त कर सकते हैं। अपने जीवन में उतार सकते हैं। अपने दोहों के माध्यम से उन्होंने समाज को सार्वभौमिक संदेश दिये। इस अवसर पर उन्होंने डोंगरगढ़ क्षेत्र को पर्यटन के रूप में विकसित करने की बात कही। जिला भाजपा उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बन्रोआना सहित बड़ी संख्या में कबीरपंथी एवं भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

डोंगरगढ़ पर्यटन केंद्र को विकसित करने मांगे गए सुझाव

श्री शर्मा कार्यक्रम के पश्चात नवीन विश्रामगृह में कार्यकर्ताओं की अनौपचारिक बैठक में उन्होंने पर्यटन मंडल द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने संकेत दिये कि जल्द ही केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्री से मिलकर प्रदेश के धार्मिक क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने हुए एक मेमोरेंडम देंगे। अपनी कार्ययोजना के बारे में कार्यकर्ताओं को जानकारी देते हुए उनसे इस क्षेत्र को धार्मिक एवं पर्यटन के हिसाब से विकसित करने यहां के लोगों के रोजगार के अवसर बढ़ाने की बात भी उन्होंने कही। उन्होंने कहा कि कोई भी उनसे कभी भी मिलकर क्षेत्र के विकास के लिए पर्यटन के रूप में इसे विकसित करने के लिए अपने सुझाव दे सकता है।

प्रदेश में पर्यटन के बेहतर अवसर

उन्होंने बताया कि वर्ष भर में प्रदेश में 2 करोड़ से अधिक लोग बाहर से आते हैं विभिन्न धार्मिक स्थलों सहित प्राकृतिक स्थलों का अवलोकन सैलानियों द्वारा होता है किंतु उस अनुपात में यहां राजस्व जनरेट नहीं हो रहा। पर्यटन मंडल सबसे पहले अपनी स्थाई संपत्ति को दुरुस्त करने में लगा है उनसे आय में किस प्रकार बढ़ोतरी हो पर्यटकों के लिए उनका उपयोग बेहतर ढंग से किस तरह किया जाए इसमें भी वे लगे हैं अधिकारियों का बेहतर सहयोग मिल रहा है मुख्यमंत्री भी प्रदेश को पर्यटन के रूप में विकसित करने में हर संभव सहयोग देने का मानस बना चुके हैं अब जरूरत है अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर प्रत्येक धार्मिक क्षेत्र को धार्मिक स्थल के साथ-साथ पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित करने की। बाहर से आने वाले लोग दो-तीन दिन के लिए कम से कम रुकें। आसपास के प्राकृतिक दर्शनीय स्थलों में घूमने जाएं रोजगार के साथ-साथ प्रदेश का राजस्व भी बढ़ेगा इसलिए विशेष रूप से प्रयासरत है। उन्होंने हर्ष पूर्वक जानकारी दी की विगत 20 वर्षों में जब से पर्यटन मंडल बना है तब से इस वर्ष हम फायदे में आ चुके हैं यह एक बड़ी खबर है जिसे लेकर वे बहुत उत्साहित हैं। बैठक में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता प्रदीप बाग, सुरेंद्र सिंह बन्रोआना, पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे, उपाध्यक्ष उमा महेश वर्मा, सुनील जैन, अमित जैन, जसमीत सिंह बन्रोआना, डीपी शर्मा, परविंदर सिंह मोंटी, लक्ष्मी यादव, सविता दरगढ़, अचला सिंह ठाकुर, पार्षद शिवांगी साखरे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री कृष्ण गौशाला कमेटी डोंगरगढ़ में नई कार्यकारिणी का गठन

सिद्ध गोपाल नरेड़ी अध्यक्ष, आनंद अग्रवाल कोषाध्यक्ष

डोंगरगढ़ (दावा)। श्री कृष्ण गौशाला कमेटी डोंगरगढ़ में दिनांक 16 जून को अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष के लिए नामांकन एवं चुनाव मुख्य निर्वाचन अधिकारी हेमंत साहू एवं सह निर्वाचन अधिकारी कुलदीप साहू के द्वारा संपन्न किया गया, जिसमें निर्विरोध सिद्ध गोपाल नरेड़ी अध्यक्ष, आनंद अग्रवाल कोषाध्यक्ष डोंगरगढ़ गौशाला न्यास प्रांगण में सत्र 2025 -28 के लिए निर्वाचित हुए है। अध्यक्ष सिद्ध गोपाल नरेड़ी द्वारा कार्यकारणी का गठन किया गया। उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं गौतम चोपड़ा कोषाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष आनंद अग्रवाल, मंत्री प्रणय अग्रवाल, सह मंत्री गोवर्धन अग्रवाल (संजय सायकल), कार्यकारणी सदस्य राजेश अग्रवाल (बबलू), विशाल अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, मनीष अग्रवाल नवदीप अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल गणेश नरेड़ी, मनमोहन अग्रवाल है।

विशेष आमंत्रित सदस्य में संदीप पचेरीवाल, केशव नरेड़ी, गोपाल दम्माणी, सावन अग्रवाल, पवन भुत, विवेक अग्रवाल विष्णु मामराज अग्रवाल, श्याम अग्रवाल है। सिद्ध गोपाल नरेड़ी अध्यक्ष ने आने वाले तीन वर्षों में किये जाने वाले कार्यों की रूपरेखा सभा के समक्ष रखी, तीन साल सबके साथ मिलकर कार्य करते हुए गौशाला को नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाये। आभार सह सचिव गोवर्धन अग्रवाल ने किया।

पहला कॉलम...

आज सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर कांग्रेसी करेंगे चक्काजाम

जिले के अधिकारियों को नींद से जगाना हैं - विजय राज अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस

डोंगरगढ़ (दावा)। सुगम यातायात व्यवस्था के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ता आज चक्काजाम करेंगे। कांग्रेसजनों ने डोंगरगढ़ की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था के विरोध में चक्काजाम करने का निर्णय लिया है।

शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजय राज ने कहा है कि, प्रशासन को दो बार पत्र के माध्यम से डोंगरगढ़ यातायात व्यवस्था हेतु ट्रैफिक पुलिस, भारी वाहन का दिन में प्रवेश निषेध, चिन्हांकित संवेदन शील स्थानों पर स्पीड ब्रेकर एवं बैरिकेटिंग की मांग की गई थी। जिसे प्रशासन ने अनदेखा कर दिया। अतः 17 जून को प्रातः 11 बजे हाईस्कूल के सामने चक्काजाम किया जाएगा। यातायात की समस्या डोंगरगढ़ के हर नागरिक की समस्या है, बहुत से परिवार सड़क दुर्घटना में अपने परिजन खो चुके हैं। सभी से आग्रह किया गया है कि, अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें। उपरोक्त कार्यक्रम का नेतृत्व डोंगरगढ़ विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल करेंगी।

तहसीलदार नीलकंठ जनबंधु डोंगरगढ़ एवं कमल किशोर साहू को लाल बहादुर नगर का प्रभार

डोंगरगढ़(दावा)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से जिले में पदस्थ तहसीलदार, अतिरिक्त तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों की अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त तक तहसील कार्यालयों में नवीन पदस्थापना की है।

इसके तहत तहसीलदार तहसील कार्यालय घुमका नीलकंठ जनबंधु को तहसील कार्यालय डोंगरगढ़, तहसीलदार तहसील कार्यालय डोंगरगढ़ मुकेश कुमार ठाकुर को तहसील कार्यालय घुमका, तहसीलदार तहसील कार्यालय लाल बहादुर नगर सोनित मेरिया को अतिरिक्त तहसीलदार तहसील कार्यालय डोंगरगढ़, तहसीलदार अतिरिक्त तहसीलदार तहसील कार्यालय डोंगरगढ़ कमल किशोर साहू को तहसील कार्यालय लाल बहादुर नगर, नायब तहसीलदार तहसील कार्यालय डोंगरगांव अब्दुल वसीम सिद्दीकी को तहसील कार्यालय छुरिया में अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त पदस्थ किया गया है।

पूर्व विधायक श्रीमती छन्नी साहू की याचिका खारिज

अंबागढ़ चौकी (दावा)। गत 12 जून 2025 को न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी, अंबागढ़ चौकी द्वारा ऐतिहासिक आदेश पारित किया गया। पूर्व विधायक श्रीमती छन्नी साहू के द्वारा थाना अंबागढ़ चौकी में जाकेश साहू के खिलाफ शिकायत की गयी थी। थाना अंबागढ़ चौकी द्वारा श्रीमती छन्नी साहू एवं उनके समर्थित साक्षीगण का बयान लेने के पश्चात् अपराध की कायमी नहीं की गयी थी। भूतपूर्व विधायक श्रीमती छन्नी साहू के द्वारा अपने अधिवक्ता कादिर सिद्दीकी अंबागढ़ चौकी के द्वारा न्यायालय में जाकेश साहू के खिलाफ गाली-गलौज, मानहानि कारित करने बाबत् अपराध अंतर्गत धारा-217, 248, 356, 356 (1) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण पेश किया गया तथा वाट्सअप मैसेज एवं अन्य दस्तावेज पेश कर प्रकरण के समर्थन में श्रीमती छन्नी साहू ने न्यायालय में अपना बयान तथा अपने समर्थित साक्षी मनीष बंसोड एवं मुकेश सिन्हा आदि का बयान करवाया। जाकेश साहू की ओर से मोहम्मद बशीर सिद्की अधिवक्ता, राजनांदगांव ने पैरवी की। उनकी पैरवी में श्रीमती छन्नी साहू का प्रकरण असत्य पाया गया तथा श्रीमती छन्नी साहू का प्रकरण निरस्त कर दिया गया।

साहू समाज को कलेक्टर ने किया सम्मानित

राजनांदगाँव (दावा)। 14 जून विश्व रक्तदाता दिवस पर मेडिकल कॉलेज पेन्ड्री के आडिटोरियम में रक्तदान शिविर एवं रक्तदाता संस्थाओं का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें रक्तदान के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाली रक्तदाता संस्था का सम्मान अवसर पर नगर इकाई साहू समाज बजरंगपुर नवांगाँव को भी लोगों का जीवन बचाने और जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध करवाने में रक्तदान शिविर कर लोगों को जागरूक करने में भूमिका निभाने पर मुख्य अतिथी कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे एवं रक्तदान शिविर प्रभारी रूपचंद साहू के कर कमलों से समाज के अध्यक्ष डॉ. अनिल साहू को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया।

भाजपा मंडल अंबागढ़ चौकी में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन

अंबागढ़ चौकी (दावा)। प्रदेश भाजपा के निर्देशानुसार व जिला भाजपा के मार्गदर्शन में सेवा सुशासन व गरीब कल्याण-संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के तहत विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन भाजपा मंडल अंबागढ़ चौकी में किया गया। इस अवसर पर प्रमुख वक्ताओं के द्वारा केंद्र की मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों को सारगर्भित तरीके से बताया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुख्य वक्ता पूर्व संसदीय सचिव संजीव शाह जिला महामंत्री दिलीप वर्मा मंडल अध्यक्ष आशीष द्विवेदी जिला पंचायत सदस्य नेहरू रजक जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शांति त्रिपुरे, पूर्व मंडल अध्यक्षद्वय राजेश सिंगी, गुलाब गोस्वामी पूर्व मंडल अध्यक्ष ढाल सिंह कौशिक, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष अरुण यादव, मंडल महामंत्रीद्वय चंदन उपाध्याय, विमल यादव, मंडल उपाध्यक्ष गयादास साहू, उपाध्यक्ष योगमाया साहू उपाध्यक्ष तीजन मानिकपुरी मंडल मंत्री अमर खोबरागड़े, मंत्री सुशीला रावटे, कोषाध्यक्ष देवनारायण कुंभकार, पार्षद ईश्वरी धुर्वे, पार्षद कविता यादव, पार्षद दिलीप कुंभकार, पार्षद ऊषा यादव, पूर्व महामंत्री भरत भूषण राजपूत, जिला मीडिया प्रभारी अविनाश त्रिपाठी, जिला विधि प्रकोष्ठ संयोजक निखिल झा, सैय्यद अजहरुद्दीन, मदन साहू किसान मोर्चा मंडल महामंत्री रूपेश बंटी यादव, गौरव शर्मा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष कुंजलता हरमुख, भीष्मदेव साहू, पूर्व पार्षद धर्मेंद्र साहू, युवा मोर्चा मंडल महामंत्री संतोष साहू दिनेश्वर साहू, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष शुभम लाटा, सोशल मीडिया जिला सह संयोजक गजेन्द्र मंडावी, राजू गुजराती, चुन्नू साहू, कुंदन साहू, अरुण साहू, लछन निषाद, संतोष द्विवेदी, देवानंद निवारे, किशोर अठभैया, दिलीप कौशिक, देवीलाल पटेल, ललित चंद्रवंशी, श्यामा निवारे, संजय जनबंधु, पुरन साहू, भंगी राम साहू, रेणु सारथी सहित भाजपा के कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

शिक्षिका की शिकायत पर छात्रों व पालकों की सुनवाई, जिपं उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने दिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश

कहा- शिक्षा के नाम पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं

खैरागढ़ (दावा)। शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़े एक गंभीर मामले में छुईखदान ब्लॉक के ग्राम दनिया के प्राथमिक स्कूल के छात्र-छात्राएं अपने अभिभावकों के साथ खैरागढ़ पहुँचे और जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह से उनके निवास स्थान पर मुलाकात कर स्कूल में पदस्थ एक शिक्षिका की शिकायत दर्ज कराई। छात्रों और पालकों ने एक सुर में कहा कि उक्त शिक्षिका स्कूल में नियमित पढ़ाई नहीं कराती, जिससे बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि इस शिक्षिका के खिलाफ पहले भी शिकायत की गई थी। लेकिन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा मामले को नजरअंदाज कर दिया गया और अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल में पदस्थ शिक्षक दया जोशी के आने के बाद से पढ़ाई का माहौल सुधरा था और बच्चों की शिक्षा में स्पष्ट सुधार देखने को मिला लेकिन उनका युक्तियुक्तकरण के तहत दूसरे जगह स्थानांतरण किया गया, वही उनको वापस लाने का निवेदन किया गया व शिक्षिका की लापरवाही स्कूल के विकास में बाधा बन रही है। जिसे तत्काल हटाने का आग्रह किया गया।

मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पढ़ाई में लापरवाही बरतने वाली शिक्षिका को स्कूल से हटाया जाए। उन्होंने बच्चों और पालकों को आश्वस्त किया कि उनकी पढ़ाई में कोई व्यवधान नहीं आने दिया जाएगा और शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस दौरान बच्चों और अभिभावकों ने जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह का आभार जताते हुए, कहा कि उन्होंने उनकी बात को गंभीरता से लिया और उचित कार्रवाई की पहल की। साथ ही ग्रामीणों ने विक्रांत सिंह को अपने गांव आने का न्योता भी दिया।

नागरिक दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस का आयोजन

डोंगरगढ़ (दावा)। अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव के निर्देशानुसार एवं सचिव के मार्गदर्शन में 15 जून 2025 को नागरिक दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस का आयोजन ग्राम बछेराभाटा में सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम में तालुका विधिक सेवा समिति डोंगरगढ़ के अध्यक्ष अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती प्रतिभा वर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी डोंगरगढ़, श्रीमती दीप्ति लकरा एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी डोंगरगढ़, शैलेष कुमार वशिष्ठ उपस्थित रहे।

शिविर में उपस्थित लोगों को विश्व वरिष्ठ नागरिक दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस की शुभकामनाएं दिए। न्यायधीशगण द्वारा शिविर में उपस्थित बुजुर्गों को भरण-पोषण की धारा 125 एवं आश्रम में निवासरत वृद्धजनों को उनके घर जाने के लिए पूछा गया वृद्धजन आश्रम से अपने घर नहीं जाना चाहते आश्रम को ही और वहां के लोगों को ही अपना घर-परिवार समझते है। आगे उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार और उनकी उपेक्षा को रोकने के प्रति जागरूकता प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम को सफतापूर्वक आयोजन में मेश्राम सर, श्रीमती नालिनी का विशेष सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में पीएलवी अशोक कुमार पाण्डेय, पवन कुमार उपस्थित रहे।

शाला प्रवेश उत्सव बेंलरगोदी में शामिल हुई जिपं अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव व उपाध्यक्ष किरण साहू

राजनांदगांव (दावा)। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेंलरगोदी में शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुई। मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहु ने की। साथ ही भाजपा मंडल अध्यक्ष खिलेश्वर साहु व जिला पंचायत सदस्य बिरम मंडावी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में 16 जून से नया शिक्षा सत्र शुरू हो रहा है, और इस अवसर पर 'शाला प्रवेश उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी जनप्रतिनिधियों से इस उत्सव में सक्रिय भागीदारी की अपील की भी है, जिसका उद्देश्य राज्य में शिक्षा के क्षेत्र को सशक्त बनाने और शत-प्रतिशत बच्चों का विद्यालयों में नामांकन करना है। श्रीमती वैष्णव ने कहा कि आज से स्कूल की घंटी फिर से गूंजने लगी है। नई किताबों की खुशबू, नई कक्षा का उत्साह और नए सपनों के साथ फिर से एक नई शुरुआत हो रही है।

आज का यह दिन हम सबके लिए विशेष है। मैं आप सभी से कहना चाहती हूँ कि खूब मन लगाकर पढ़िये, जिज्ञासा के साथ प्रश्न पूछिए, उत्तर खोजिए और आगे बढ़िए। आपकी शिक्षा, आपका उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि अब कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन न रहे। हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय प्रयास कर रहे हैं, जिससे शिक्षा का बेहतर वातावरण बने। साथ ही कार्यक्रम को जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहु ने व शाला विकास समिति के अध्यक्ष कुमार साय साहु ने भी संबोधित करते हुए शाला प्रवेश उत्सव की सभी बच्चों व शिक्षकगणों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही इस अवसर पर आलोक मिश्रा, सोनम मरावी, अजोधराम, हुमन राज निर्मलकर, नागेश्वर भारतद्वाज, ढालसिंह वर्मा, सुमेरी पाल, गिरिश कुमार, सुशील नेकी, उमाशंकर साहु, सुनीता सिंह समेत प्रधानपाठक शिक्षकगणों समेत बालक बालिका उपस्थित थे।

ग्राम छपारा में शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया

डोंगरगढ़ (दावा)। संकुल केन्द्र ढारा के शासकीय प्राथमिक विद्यालय -छपारा (ढारा) में नवीन शिक्षा सत्र 2025-26 का शुभारंभ 16 जून को शाला प्रवेशोत्सव मनाकर किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों के द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी व माँ शारदे के तैल्यचित्र पर धूप दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात शाला में नव प्रवेशी बच्चों का तिलक अभिनंदन कर अतिथियों ने शासकीय निःशुल्क गणवेश, पाठ्यपुस्तकों को अपने कर कमलों से प्रदान किए।

पश्चात उद्बोधन के कड़ी में शाला समिति के अध्यक्ष गनपत साहू ने शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा जीवन की अनिवार्य कड़ी है, शिक्षा सकारात्मक होनी चाहिए। विद्यार्थियों को मोबाईल से दूर रहनी चाहिए। पालकों को भी इसमें ध्यान देने की आवश्यकता है। उसने बच्चों के प्रोत्साहन के लिए कहा कि जो बच्चे 5,8,10, 12 वीं बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लायेंगे उन्हें सम्मान स्वरूप 500 प्रदान करने की बात कही। इस वर्ष 5वीं में 91 प्रतिशत लाने वाले यस कुमार साहू को 500 देने का वादा किया। तो वहीं समिति के उपाध्यक्ष श्रीमती सावित्री साहू ने बधाई देते हुए कही कि बच्चे पढ़ाई में खूब मेहनत करें, शिक्षा के साथ-साथ संस्कारवान भी हो अपनों से बड़ों का आदर करें। सभी प्रकार की दक्षताएं हासिल करें। सदस्य जितेन्द्र गेंड्रे ने गाँव के शाला को बुनियादी शिक्षा का केन्द्र और प्रेरणा स्रोत बताया। श्रीमती लक्ष्मी साहू ने बच्चों के सेहत को ध्यान में रखते हुए कही कि दुकान में मिलने वाले तरह-तरह के खजानियों से दूर रहनी चाहिए। ताजे और स्वास्थ्यवर्धक भोजन करें, मौसम के अनुकूल भोजन करें। बच्चें घर पर पढ़ाई-लिखाई जारी रखें। श्रीमती हरिश्वरी पटेल ने कही कि शाला के शिक्षक तो शाला में पढ़ाते ही हैं बच्चों को भी सुबह-शाम घर में स्वध्ययन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अब शाला प्रारम्भ हो गई है सभी बच्चें नियमित विद्यालय आएँ।

इस अवसर पर आभार, धन्यवाद के भूमिका में शाला के प्रधान पाठक मदन मंडावी ने पालकों से अनुरोध किया कि बच्चों को नियमित शाला भेजेंगे, उनकी अनिवार्य आवश्यकता में किसी प्रकार की कोई कमी ना आए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिक्षक लोकनाथ कंवर, उगेश कुमार धुर्वे, समिति के सदस्य ढालचंद कोसा, दुर्गा साहू, निशा पटेल, कोमल साहू आदि लोग उपस्थित रहे। अंत में मध्यान्ह भोजन समूह की ओर से बच्चों को खीर-पूड़ी सब्जी का वितरण किया गया।

मेजर लीग क्रिकेट : शाहरुख खान की टीम एलए नाइटराइडर्स ने बनाया सीजन का सबसे कम स्कोर, टेक्सास सुपरकिंग्स ने 57 रन से हराया

नई दिल्ली। अमेरिकन टी-20 लीग मेजर लीग क्रिकेट में लॉस एंजलिस नाइटराइडर्स ने इस सीजन का लोएस्ट स्कोर बनाया। लॉस एंजलिस नाइटराइडर्स आईपीएल की कोलकाता नाइटराइडर्स की मालिकाना हक रखने बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान की टीम है। रविवार को लीग के खेले गए मैच में शाहरुख खान की टीम को 57 रन से हार का सामना करना पड़ा। टॉस जीत कर लॉस एंजलिस नाइटराइडर्स ने पहले फील्डिंग करने का फैसला किया।

नूर अहमद रहे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

टेक्सास सुपरकिंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर 181 रन बनाए। टेक्सास सुपरकिंग्स चेन्नई सुपर किंग्स की मालिकाना हक वाली टीम है। 182 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी लॉस एंजलिस नाइटराइडर्स ने 17.1 ओवर में 124 रन ही बना सकी। लॉस एंजलिस नाइटराइडर्स के कप्तान सुनील नरेन हैं। जबकि टेक्सास सुपरकिंग्स के कप्तान फाफ डू प्लेसी हैं। टेक्सास सुपरकिंग्स के जीत के हीरो अफगानिस्तान के नूर अहमद रहे। नूर ने नाइटराइडर्स के सुपरस्टार आंद्रे रसेल और कप्तान सुनील नरेन को एक ही ओवर में पवेलियन भेज दिया। 4 विकेट लेने वाले नूर अहमद प्लेयर ऑफ द

मैच चुने गए। टेक्सास सुपरकिंग्स ने पहले बैटिंग करते हुए 4 विकेट पर 181 रन बनाए। उसकी ओर से डेरिल मिचेल ने 33 गेंदों का सामना कर 36 रन, डेवोन कॉनवे ने 22 गेंदा का सामना कर 34, डोनोवान फरेरा ने 16 गेंदों का सामना कर 32 और शुभ्रमन रंजने ने 24 रन बनाए। लॉस एंजलिस नाइटराइडर्स से आंद्रे रसेल ने 4 ओवर में 53 रन देकर 1 विकेट और शैडली वैन शाल्कविक ने 3 ओवर में 25 रन देकर 1 विकेट लिए।

नाइटराइडर्स ने बनाया सबसे लोएस्ट स्कोर

182 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी नाइटराइडर्स 124 रन पर सिमट गई। यह मेजर लीग क्रिकेट के मौजूदा सीजन में किसी भी टीम का लोएस्ट स्कोर है। लॉस एंजलिस नाइटराइडर्स की बैटिंग टेक्सास के खिलाफ बुरी तरह फेल रही। उसने एक समय 89 रन पर आठ विकेट गंवा दिए थे। नौवें नंबर पर के बैटर शैडली वान ने 27 रन बनाकर अपनी टीम को किसी तरह 100 के पार पहुंचाया। टीम के लिए एलेक्स हेल्स ने 25, मैथ्यू ट्रम्प ने 23 और उन्मुक्त चंद ने 22 रन बनाए। नाइटराइडर्स के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल एक रन बनाकर आउट हुए तो कप्तान सुनील नरेन खाता भी नहीं खोल सके। इन दोनों को अफगान मिस्ट्री स्पिनर नूर अहमद ने अपना शिकार बनाया। नूर अहमद ने मैच में सबसे अधिक 4 विकेट झटके।

लॉस एंजलिस की टूर्नामेंट में दूसरी हार

यह लॉस एंजलिस की टूर्नामेंट में दूसरी हार है। वह पॉइंट टेबल में पांचवें नंबर पर है। टेक्सास सुपरकिंग्स दो जीत के साथ दूसरे नंबर पर है। टूर्नामेंट में छह टीमें खेलती हैं।

पहला कॉलम...

यू मुंबा ने जीता अपना पहला खिताब, फाइनल में जयपुर पैट्रियट्स को 8-4 से हराया

अहमदाबाद। यू मुंबा टीटी ने रविवार को यूटीटी सीजन 6 के ग्रैंड फाइनल में जयपुर पैट्रियट्स पर 8-4 से जीत के साथ अपना पहला अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) खिताब जीतकर इतिहास रच दिया. यह जीत टीम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मिली.

लिलियन बार्डेट और बर्नडेट स्जोक्स की जीत ने यू मुंबा को शुरुआती बढ़त दिलाई. इसके बाद स्जोक्स और आकाश पाल ने मिक्स्ड डबल्स में 3-0 से जीत दर्ज करके उन्हें जीत के करीब पहुंचा दिया. युवा स्टार अभिनंद पीबी ने चौथे मैच में शानदार जीत के साथ खिताब अपने नाम किया. हालांकि, यशस्विनी घोरपड़े फाइनल में नहीं खेल पाईं. फाइनल में शानदार खेल का प्रदर्शन करने के लिए, आकाश और स्जोक्स को क्रमशः भारतीय और विदेशी खिलाड़ी ऑफ द फाइनल चुना गया, जबकि जीत चंद्रा ने शॉट ऑफ द फाइनल का खिताब जीता. डेम्पो गोवा चैलेंजर्स के कप्तान हरमीत देसाई और यू मुंबा टीटी की कप्तान बर्नडेट स्जोक्स को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए क्रमशः यूटीटी सीजन 6 का पुरुष और महिला एमवीपी चुना गया, जबकि एड्रियाना डियाज को कोलकाता थंडरब्लेड्स के गोवा के खिलाफ लीग चरण के मुकाबले में कृत्विका सिन्हा रॉय के खिलाफ शानदार जीत के लिए शॉट ऑफ द लीग का खिताब मिला. यू मुंबा ने चैंपियन के रूप में 60 लाख रुपये कमाए, जबकि उपविजेता जयपुर पैट्रियट्स ने 40 लाख रुपये जीते. सेमीफाइनलिस्ट दबंग दिल्ली टीटीसी और चैलेंजर्स को 17.5-17.5 लाख रुपये मिले.

इजरायल और ईरान के बीच युद्ध ने सोने की बढ़ी चमक

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से सोमवार (16 जून) सुबह घरेलू वायदा बाजार में सोने की कीमतों में तेजी आई. दोनों देशों के लगातार हमलों के कारण सोने की कीमतें 1 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई हैं.

विशेषज्ञों का मानना है कि सोना और चांदी सुरक्षित निवेश हैं, जिन्हें निवेशक इन अस्थिर बाजारों में अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षित रखने के लिए अपना सकते हैं. साल-दर-साल सोने की कीमतों में लगातार रिकॉर्ड ऊंचाई के साथ 31 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिससे 2025 के टॉप प्रदर्शन करने वाले परिसंपत्ति वर्गों में इसकी स्थिति मजबूत हुई है और यह एक विश्वसनीय बचाव है. कुल मिलाकर, पिछले 20 सालों में सोने की कीमतें 2005 में 7,638 रुपये से बढ़कर 2025 (जून तक) में 1,00,000 रुपये से अधिक हो गई हैं, जो कि 1,200 फीसदी की प्रभावशाली बढ़ोतरी है. इनमें से 16 वर्षों में सकारात्मक रिटर्न भी मिला है.

ईरान-इजरायल जंग के बावजूद भारतीय शेयर बाजार हरे निशान पर खुला, सेंसेक्स 212 अंक उछला

मुंबई। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार बढ़ोतरी के साथ ग्रीन जोन में खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 212 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 81,330.76 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.31 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 24,794.60 पर खुला. निवेशकों ने इजरायल-ईरान युद्ध के कारण मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच धारणा को सतर्क बनाए रखा है. आज के कारोबार के दौरान हुडको, मणप्पुरम फाइनेंस, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल, बिड़लासॉफ्ट, सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज, चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स, इंडियन एनर्जी एक्सचेंज, इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (आईआरईडीए), आरबीएल बैंक और टीटागढ़ रेल सिस्टम्स के शेयर फोकस में रहेंगे. वैश्विक स्तर पर बिकवाली और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के बाद बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच शुक्रवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई. सेंसेक्स 573 अंक गिरकर 81,118 पर और निफ्टी 169 अंक गिरकर 24,718 पर आ गया. इससे पहले, सेंसेक्स में दिन के कारोबार में 1,300 से अधिक अंकों की गिरावट आई थी. मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण तेल की कीमतों में उछाल ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया.

पिछले महीने कारों की थोक बिक्री में हुई मामूली गिरावट

नईदिल्ली। पिछले महीने यात्री वाहनों की थोक बिक्री में पिछले महीने मामूली गिरावट दर्ज हुई है। इसके बावजूद यह दूसरी सबसे ज्यादा मासिक बिक्री है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मई में 3.44 लाख गाड़ियां बेची गई, जो पिछले साल मई में बिकी 3.47 लाख गाड़ियों की तुलना में 0.8 फीसदी कम है। इसके अलावा निर्माताओं ने पिछले महीने 53,942 तिपहिया वाहन और 2.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16.55 लाख दोपहिया वाहन बेचे थे।

विमेंस वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी : 5 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच, 30 सितंबर से शुरू होगा टुर्नामेंट

दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके अनुसार, भारत और पाकिस्तान की टीम 5 अक्टूबर को आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का आगाज 30 सितंबर 2025 को होगा। वैसे तो भारत को इस टूर्नामेंट की मेजबानी दी गई है, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के कारण पाकिस्तानी टीम का भारत आना मुश्किल है। ऐसे में यह मैच कोलंबो में कराने का फैसला लिया गया है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले आईसीसी के सामने बीसीसीआई और पीसीबी ने न्यूट्रल वेन्यू पर खेलने के लिए सहमति जताई थी। भारत 12 साल के बाद पहली बार विमेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी करने जा रहा है। पिछली बार इंडिया को 2013 में विमेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी मिली थी।

5 वेन्यूज पर 28 लीग मैच खेले जाएंगे

इस टूर्नामेंट में 28 लीग मैच और तीन नॉकआउट मुकाबले पांच स्थानों बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी, विशाखापट्टनम और कोलंबो में खेले जाएंगे। वहीं, पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में (पाकिस्तान के पहुंचने पर निर्भर) और दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को बेंगलुरु में होगा। फाइनल 2 नवंबर को बेंगलुरु या कोलंबो में खेला जाएगा।

भारत अभियान की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ करेगा

भारत अपने अभियान की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मैच 26 अक्टूबर को बेंगलुरु में खेला जाएगा।

पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल पर श्रीलंका

पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल पर श्रीलंका में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच हुए हाइब्रिड समझौते के अनुसार, पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू कोलंबो में खेलेगी। इनमें बांग्लादेश (2 अक्टूबर), इंग्लैंड (15 अक्टूबर), न्यूजीलैंड (18 अक्टूबर), दक्षिण अफ्रीका (21 अक्टूबर) और श्रीलंका (24 अक्टूबर) के खिलाफ मैच शामिल हैं।

डिफेंडिंग चैंपियन इंदौर में खेलेगी अपना पहला मैच

मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अपना अभियान 1 अक्टूबर को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद वह 8 अक्टूबर को कोलंबो में पाकिस्तान से भिड़ेगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला 22 अक्टूबर को इंदौर में होगा।

2025 के टूर्नामेंट का फॉर्मेट 2022 जैसा ही होगा

2025 के टूर्नामेंट का फॉर्मेट 2022 जैसा ही होगा, जिसमें आठ टीमें राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से खेलेंगी और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। मेजबान भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका ने सीधे क्वालिफाई किया था। आखिरी दो स्थान पाकिस्तान और बांग्लादेश ने इस साल की शुरुआत में लाहौर में हुए क्वालीफायर में हासिल किए। वेस्टइंडीज इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं है, वह क्वालीफायर में बांग्लादेश से नेट रन-रेट के आधार पर पिछड़ गए।

बजाज फाइनेंस के शेयरों में अचानक 90 फीसदी की गिरावट

मुंबई। बजाज फाइनेंस लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को 4:1 बोनस इश्यू और 1:1 स्टॉक स्प्लिट के बाद समायोजन किया गया. डबल कॉरपोरेट एक्शन के कारण मूल्य समायोजन के कारण शुरुआती सत्र में शेयर की कीमत 9,331 रुपये से लगभग 90 फीसदी गिरकर 937 रुपये हो गई.

बोनस इश्यू या स्टॉक स्प्लिट के बाद स्टॉक की कीमत समायोजित हो जाती है क्योंकि शेयरों की संख्या बढ़ जाती है जबकि कंपनी का कुल मूल्य (बाजार पूंजीकरण) वही रहता है.

बजाज फाइनेंस लिमिटेड के शेयर 16 जून, 2025 को निर्धारित दो प्रमुख कॉर्पोरेट कार्रवाइयों के साथ सुर्खियों में हैं.

बोनस इश्यू- 4:1 बोनस इश्यू का मतलब है कि शेयरधारकों को हर एक शेयर के बदले चार अतिरिक्त शेयर मिलेंगे.

स्टॉक स्प्लिट- इसके शेयरों का अंकित मूल्य 2 रुपये से 1 रुपये तक विभाजित किया जाएगा, जिससे वहनीयता और तरलता में सुधार होगा. 16 जून 2025 दोनों की एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट एक ही है. बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने 07 जून को घोषणा की कि वह सोमवार, 16 जून को स्टॉक विभाजन करेगा और बोनस इक्विटी शेयर जारी करेगा. कंपनी ने फाइलिंग में कहा कि सेबी लिस्टिंग विनियमन, 2015 के विनियमन 42 के अनुसार, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी ने मौजूदा इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन और कंपनी के बोनस इक्विटी शेयर जारी करने के लिए एलिजिबल सदस्यों को निर्धारित करने के उद्देश्य से सोमवार, 16 जून 2025 को रिकॉर्ड डेट के रूप में तय किया है.

नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप 19 से, 800 से अधिक खिलाड़ी दिखाएंगे दम

रोहतक। छठी जूनियर बॉयज और गर्ल्स नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन 19 जून से 25 जून तक रोहतक के राजीव गांधी खेल परिसर स्थित स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) में किया जाएगा। इस स्पर्धा में देशभर के 800 से अधिक बॉक्सर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम करेंगे। यह जानकारी रविवार को हरियाणा बॉक्सिंग संघ के उप प्रधान सतीश सरहदी ने यहां पत्रकारों से बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष पूर्व मेजर सत्यपाल सिंधु की देखरेख में आयोजित चैंपियनशिप में देशभर की 32 टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें टाटा स्टील और जेएसडब्ल्यू की टीम भी शामिल है। 100 के करीब तकनीकी अधिकारी, कोच और रेफरी इस आयोजन का हिस्सा होंगे।

जनरल सेक्रेटरी रविंद्र पान्नू ने बताया कि प्रत्येक टीम में अधिकतम 13 मुक्केबाज शामिल हो सकते हैं। ये मुक्केबाज लड़के और लड़कियों की श्रेणियों में 44 किग्रा, 46 किग्रा, 48 किग्रा, 50 किग्रा, 52 किग्रा, 54 किग्रा, 57 किग्रा, 60 किग्रा, 63 किग्रा, 66 किग्रा, 70 किग्रा, 75 किग्रा, 80 किग्रा और 80 किग्रा से अधिक भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक भार वर्ग में केवल एक मुक्केबाज को भाग लेने की अनुमति होगी। किसी भी आरक्षित खिलाड़ी की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रतियोगिता का प्रारूप तीन राउंड का होगा। इसमें प्रत्येक राउंड दो मिनट का होगा और राउंड के बीच एक मिनट का विश्राम रहेगा। स्कोरिंग के लिए 10-पॉइंट प्रणाली का पालन किया जाएगा। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष कैप्टन परविन कुमार, रोहतक बॉक्सिंग संघ के जनरल सेक्रेटरी संदीप मौर व प्रशासनिक निदेशक ओमबीर हुड्डा भी मौजूद रहे।

बोरसे-बाबूता की जोड़ी ने वर्ल्ड कप में गोल्ड जीता : 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड में पहले स्थान पर रहे

म्यूनिख। आर्य बोरसे और अर्जुन बाबूता की भारतीय जोड़ी ने शनिवार को बर्लिन में खेले जा रहे आईएसएसएफ (इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन) वर्ल्ड कप में भारत को दूसरा गोल्ड दिलाया। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल के मिक्स्ड इवेंट में चीन के जिफेई वांग और लिहाओ शेंग को 17-7 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। नॉर्वे के जीनेट हेग ड्यूस्टैड और जॉन-हरमन हेग ने यूएसएस के सेगेन मैडालेना और पीटर मैथ्यू फियोरी को 16-14 से हरा कर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

बोरसे और बाबूता ने पहले 635.2 के क्वालिफिकेशन स्कोर के साथ फाइनल के लिए स्थान पक्का किया। वह दूसरे स्थान पर रहे। बबूता ने क्वालिफिकेशन में 317.7 का स्कोर बनाया जबकि बोरसे ने 317.5 का स्कोर कर। अन्य भारतीय जोड़ी, एलावेनिल वलारिवन और अंकुश जाधव, 631.8 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में छठे स्थान पर रहे। इस साल की शुरुआत में, बोरसे ने पेरू के लीमा में वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर सिल्वर मेडल हासिल किया था।

भारत पॉइंट टेबल में तीसरे स्थान पर

बर्लिन में खेले जा रहे वर्ल्ड कप में भारत ने चार मेडल के साथ पॉइंट टेबल में तीसरे स्थान पर है। भारत के लिए आर्य बोरसे और अर्जुन बाबूता की जोड़ी ने जहां 10 मीटर राइफल मिक्स्ड इवेंट में गोल्ड जीता, वहीं सुरुचि ने 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड जीता। जबकि सिफ्ट कौर समरा और एलावेनिल वलारिवन ने अपने-अपने व्यक्तिगत इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। भारत अब चीन (छह) और नॉर्वे (चार) से पीछे तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। चीन ने तीन गोल्ड, एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं, जबकि नॉर्वे ने दो गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पॉइंट टेबल में टॉप स्थान पर है।

प्रथम पृष्ठ का शेष....

इज़राइल के मिसाइल हमले में 230 की मौत,...

इजराइल ने कुद्स फोर्स के कमांड सेंटरों पर हमला किया : मिसाइल हमले ईरान के भीतरी इलाकों में इजरायली हमलों के बाद हुए हैं। इजराइली रक्षा बलों ने सुबह कहा कि उन्होंने कुद्स फोर्स के कमांड सेंटरों पर हमला किया, जहां से ईरानी शासन के छद्मों का उपयोग करके इजरायल पर हमले की योजना बनाई गई थी। उन्होंने दावा किया कि नवीनतम हमलों में ईरानी हथियार उत्पादन स्थलों को भी नष्ट कर दिया गया है।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, वैश्विक व्यापार पर संकट : इस टकराव के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत 10 प्रतिशत तक बढ़ गई है, जिससे वैश्विक बाज़ारों में अस्थिरता आ गई है। अरब देशों में अस्थिरता के डर से अंतरराष्ट्रीय समुदाय अलर्ट मोड पर है।

मोदी को साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान : राष्ट्रपति...

पीएम मोदी को 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मान : प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा-साइप्रस का ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस प्राप्त कर गर्व महसूस कर रहा हूं। मैं इसे भारत और साइप्रस की मित्रता को समर्पित करता हूं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इससे पहले पहले 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। हाल ही में श्रीलंका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'मित्र विभूषण' भी मिला है।

ईरान के सरकारी टीवी स्टूडियो पर इजरायल...

इजरायल ने पहले ही दी है चेतावनी : इजरायल ने पहले ही कहा कि वह अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सही रास्ते पर है। इजरायल ने पहले ही तेहरान के लोगों से कहा है कि वह अपने घरों को खाली कर दें। बता दें कि दोनों देशों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है और दोनों देशों के नागरिक शरण लेने के लिए भाग रहे हैं। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि एक एंकर लाइव बुलेटिन के दौरान न्यूज पढ़ रही है। इसी दौरान स्टूडियो परिसर के पास एक मिसाइल आ गिरता है। इस घटना के दौरान बुलेटिन के बीच में एंकर डर गई और उसको उठकर जाना पड़ा। हालांकि, इस दौरान एंकर भागने में कामयाब हो जाती हैं।

इजरायल ने पहले ही दी है चेतावनी : इजरायल ने पहले ही कहा कि वह अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सही रास्ते पर है। इजरायल ने पहले ही तेहरान के लोगों से कहा है कि वह अपने घरों को खाली कर दें। बता दें कि दोनों देशों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है और दोनों देशों के नागरिक शरण लेने के लिए भाग रहे हैं।

स्कूल की टाइमिंग में बदलाव : 21 जून तक...

की जा रही है ताकि सत्र के आरंभ से ही गुणवत्ता सुधार की दिशा में कार्य किया जा सके। अधिकारियों द्वारा विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं, शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति और शिक्षकों के क्रियाकलापों का निरीक्षण किया जाएगा।

'सुप्रीम लीडर खामेनेई के अंत के बाद ही रूकेगा...

लिए उन्हें तेहरान में एक अंडरग्राउंड बंकर में भेज दिया गया है। उनके परिवार भी खामेनेई के साथ हैं। खामेनेई का उत्तराधिकारी माने जाने वाला उनका बेटा मोजतबा भी ईरान नेता के साथ मौजूद है।

एयर इंडिया की शाम की फ्लाइट में तकनीकी...

कहा कि विमान को तकनीकी जांच के लिए दिल्ली वापस लाया गया। उन्होंने बताया कि सभी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मानक प्रोटोकॉल का पालन किया गया। यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत उनके गंतव्य तक पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हालांकि, तकनीकी खराबी की सटीक वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है।

एआई-315 में तकनीकी खराबी की मिली थी सूचना : बता दें कि इससे पहले सोमवार सुबह एयर इंडिया की ढ्ढ-315 में तकनीकी खराबी की सूचना मिली थी। इसके बाद फ्लाइट को वापस हांगकांग लौटना पड़ा। फ्लाइट स्थानीय समयानुसार हांगकांग से दोपहर 12.16 बजे रवाना हुई थी, लेकिन एक घंटे के बाद फ्लाइट तुरंत रनवे पर लौट आई।

12 जून को अहमदाबाद में विमान हुआ दुर्घटनाग्रस्त : 12 जून 2025 को, एयर इंडिया की फ्लाइट ढ्ढ-171, जो अहमदाबाद से लंदन जा रही थी, टेकऑफ के कुछ ही मिनट बाद मेघानी नगर के पास एक मेडिकल कॉलेज कैंपस में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान था, जिसमें 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर समेत कुल 242 लोग सवार थे। इसमें से 241 लोगों की मौत हो गई।

आम जनता एवं पीड़ित की समझ के लिए पुलिस....

नागरिक के लिए भी बोधगम्य हो सकेगी। 1 अदम तामील -सूचित न होना, 2 इन्द्राज -टंकन, 3 खयानत -हड़पना, 4 गोश्वारा -नक्शा, 5 दीगर -दूसरा, 6 नकबजनी -सेंध, 7 माल मशरूका लूटी-चोरी गई सम्पत्ति, 8 मुचलका-व्यक्तिगत बंध पत्र, 9 रोजनामचा-सामान्य दैनिकी, 10 शिनाख्त-पहचान, 11 शहादत-साक्ष्य, 12 शुमार-गणना, 13 सजायाफ्ता- दण्ड प्राप्त, 14 सरगना -मुखिया, 15 सुराग -खोज, 16 साजिश -षडयंत्र, 17 अदालत दिवानी -सिविल न्यायालय, 18 फौजदारी अदालत- दांडिक न्यायालय, 20 इकरार नामा -प्रतिज्ञापन, 21 बनाम विक्रय -पत्रक, 22 इस्तिफा -त्याग-पत्र, 23 कत्ल-हत्या, 24 कयास -अनुमान, 25 खसरा क्षेत्र- पंजी, 26 खतौनी -पंजी, 27 गुजारिश -निवेदन, 28 जब्त -कब्जे में लेना, 29 जमानतदार -प्रतिभूति दाता, 30 जमानत -प्रतिभूति, 31 जरायम- अपराध, 32 जबरन -बलपूर्वक, 33 जरायम पेशा -अपराधजीवी, 34 जायदादे मशरूका -कुर्क हुई सम्पत्ति, 35 दाखिल खारिज- नामांतरण, 36 सूद -ब्याज, 37 हुजूर -श्रीमान/महोदय, 38 हुलिया -शारीरिक लक्षण, 39 हर्जाना क्षति-प्रतिपूर्ति, 40 हलफनामा-शपथ-पत्र, 41 दफा- धारा, 42 फरियादी -शिकायतकर्ता, 43 मुत्तजर्रर -चोट, 44 इत्तिलानामा- सूचना पत्र, 45 कलमबंद करना -न्यायालय के समक्ष कथन, 46 गैरहाजिरी -अनुपस्थिति, 47 चस्पा- चिपकाना, 48 चश्मदीद- प्रत्यक्षदर्शी, 49 जलसाजी- कूटरचना, 50 जिला बदर -निर्वासन, 51 जामतलाशी -वस्त्रों की तलाशी, 52 वारदात- घटना, 53 साकिन- पता, 54 जायतैनाती- नियुक्ति स्थान, 55 हाजा स्थान-परिसर, 56 मातहत -अधीनस्थ, 57 जेल हिरासत -कब्जे में लेना, 58 फौती -मृत्यु सूचना, 59 इस्तगासा- छावा, 60 मालफड -जुआ का माल मौके पर बरामद होना, 61 अर्दली -हलकारा, 62 किल्लत मुलाजमान- कर्मगण की कमी, 63 तामील कुनन्दा- सूचना करने वाला, 64 इमदाद -मदद, 65 नजूल -राज भूमि, 66 फरार -भागा हुआ, 67 फिसदी- प्रतिशत, 68 फेहरिस्त -सूची, 69 फौत- मृत्यु, 70 बयान- कथन, 71 बेदखली-निष्कासन, 72 मातहत- अधीन, 73 मार्फत- द्वारा, 74 मियाद -अवधी, 75 रकबा-क्षेत्रफल, 76 कास्तकार- कृषक, 77 नाजिर -व्यवस्थापक, 78 अमीन राजस्व -कनिष्ठ अधिकारी, 79 राजीनामा -समझौता पत्र, 80 वारदात -घटना, 81 संगीन -गंम्भीर, 82 विरासत -उत्तराधिकार, 83 वसियत- हस्तांन्तरण लेख, 84 वसूली -उगाही, 85 शिनाख्त- पहचान, 86 सबूत साक्ष्य-प्रमाण, 87 दस्तावेज- अभिलेख, 88 कयास -अनुमान, 89 सजा -दण्ड, 90 सनद -प्रमाण पत्र, 91 सुलहनामा-समझौता पत्र, 92 अदम चौक- पुलिस असंज्ञेय हस्ताक्षेप, अगोग्य अपराध की सूचना, 93 कैदखाना- बंदीगृह, 94 तफतीश-तहकीकात -अनुसंधान/जाँच/विवेचना, 95 आमद/रवाना/रवानगी-आगमन, प्रस्थान, 96 कायमी-पंजीयन, 97 तेहरीर- लिखित या लेखीय विवरण, 98 इरादतन- साशय, 99 खारिज/खारिजी/रद्द निरस्त/ निरस्तीकरण, 100 खून आलुदा रक्त-रंजित/रक्त से सना हुआ, 101 गवाह/गवाहन- साक्षी/साक्षीगण, 102 गिरफ्तार/हिरासत -अभिरक्षा, 103 तहत् -अंतर्गत, 104 जख्त, जख्मी, मजरूब -चोट/घाव घायल/आहत, 105 दस्तयाब -खोज लेना/बरामत, 106 मौका ए वारदात-घटना स्थल, 107 परवाना- परिपत्र/अधिपत्र, 108 फैसला- निर्णय, 109 हमराह -साथ में आदि शब्दो को हटाया गया है।

एयर इंडिया की शाम की फ्लाइट में....

हर्ष संघवी ने एयर इंडिया दुर्घटना के संबंध में अपडेट देते हुए बताया कि 16 जून 2025 को शाम 4 बजे तक की डीएनए रिपोर्ट में 114 शवों की पहचान की पुष्टि हो चुकी है। पहचान प्रक्रिया अभी भी जारी है।

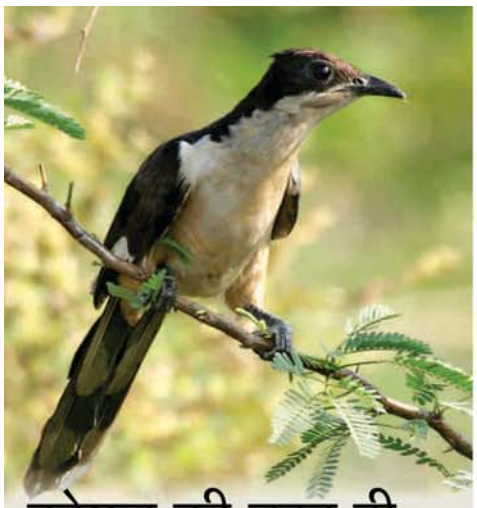

कोयल की तरह ही चातक देती है दूसरों के घोंसलों में अंडे

माथे पर किलंगी और काले सफ़ेद पंख चातक पक्षी की खासियत होते हैं। प्राचीन साहित्य में चातक का यह विवरण उसके पारिस्थितिकी व्यवहार से काफी मेल खाते हैं। यह मौसम इसका प्रजनन काल भी है। प्रजनन के इस समय में नर दिनभर तरह तरह की कोकिल ध्वनियों से लगातार मादा को आकर्षित करने की कोशिश करते हैं। इस मौसम की शुरुआत में ये पक्षी उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करते हैं।

हल्के नीले रंग के होते हैं अंडे

कोयल की तरह चातक पक्षी भी अन्य पक्षियों के घोंसलों में अपने अंडे देती है। जून से अगस्त तक चलने वाले प्रजनन काल की शुरुआत में मादाएं मेजबान पक्षियों के घोंसलों की तलाश में रहती हैं। इन चातक के अंडे भी गैगई पक्षी के अंडों के समान हल्के, नीले रंग व छोटे आकार के होते है। गैगई, जिन्हें 7-10 के झुंड में घूमने के कारण लोक भाषा में सातभाई या बहन भी कहा जाता है, चातक के बहुत ही चहेते होते हैं। मादा चातक अक्सर अंडे देते वक्त मेजबान के अंडों को क्षतिग्रस्त कर देती हैं। पंखों के विकास होने तक गैगई अपने व चातक के चूजों में भेद नहीं कर पाती और सबका भरण-पोषण समान रूप से करती हैं।

भारत में होती हैं दो प्रजातियां

भारत में चातक की दो विशिष्ट उप प्रजातियां पाई जाती हैं। एक क्लैमेटर जैकोबिनस जैकोबिनस और दूसरी उत्तर भारत से आने वाली उप-प्रजाति क्लैमेटर जैकोबिनस पिका होती है। इनका मुख्य भोजन कीट-पतंगे होते हैं, लेकिन कभी कभी फलों को भी खूब चाव से खाते हैं।

प्यासा मर जाएगा पर इधर-उधर का पानी नहीं पीता चातक

धरती पर मौजूद हर जीव को जिंदा रहने के लिए दाना-पानी तो चाहिए ही. कीड़े-मकोड़ो की बात नहीं कर रहा. कम से कम इंसानों, पशु-पक्षियों वगैरह के लिए तो हवा के बाद दूसरी सबसे जरूरी चीज है पानी. खाने के बगैर तो इंसान कुछ दिन जिंदा रह सकता है लेकिन पानी के बगैर तो प्यार से ही मर जाएगा. पक्षियों के साथ भी ऐसा ही है. लेकिन आज हम एक ऐसे पक्षी के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो प्यास के मारे मर जाएगा, लेकिन इधर-उधर का पानी पीना इसे मंजूर नहीं! आप सोच रहे होंगे, ये भला कैसा पागलपन है... लेकिन इस पक्षी की तो यही कहानी है. गर्मियों में अक्सर हम पशुओं के लिए छतों पर और आंगन में किसी बर्तन में पानी रख देते हैं. तमाम पक्षी आकर वे पानी पी लेंगे, लेकिन चातक पक्षी प्यासा होने के बावजूद ऐसा नहीं करेगा. चातक पक्षी केवल बारिश का ही पानी ही पिया करता है. यह चिड़िया किसी झील, तालाब, नदी वगैरह का पानी नहीं पीती है. भले ही वह प्यासा ही मर क्यों न जाए, लेकिन यह बारिश के अलावा कोई पानी नहीं पीती. चातक पक्षी, केवल बारिश के पानी से ही अपनी प्यास बुझाता है. ऐसा कहा जाता है कि यह पक्षी बहुत प्यासा है और इसे बिल्कुल साफ पानी के झील में भी छोड़ दिया जाए, तो भी यह पानी नहीं पिएगा. इस स्थिति में पानी पीने के लिए ये अपनी चोंच भी नहीं खोलेगा. बारिश के अलावा यह किसी भी दूसरे सोर्स से पानी नहीं पीता है. चातक कीटभक्षी पक्षी होता है. कीट-फतंगों के अलावा इसे फल खाते भी देखा गया है. चातक पक्षी की एक अलग बात ये भी है कि ये दूसरे पक्षियों के घोसले में अपने अंडे दिया करते हैं. ये पक्षी बुलबुल ओर बब्बलर जैसे पक्षियों के घोंसले में अपने अंडे देते हैं. चातक पक्षी मुख्य तौर पर एशिया और अफ्रीका महाद्वीप का पक्षी है. बात करें भारत की तो ये पक्षी उत्तराखंड में पाया जाता है. गढ़वाल में इसे चातक की बजाय चोली बुलाया जाता है. इसे मारवाड़ी/राजस्थानी में मघवा और पपिया भी कहा जाता है.

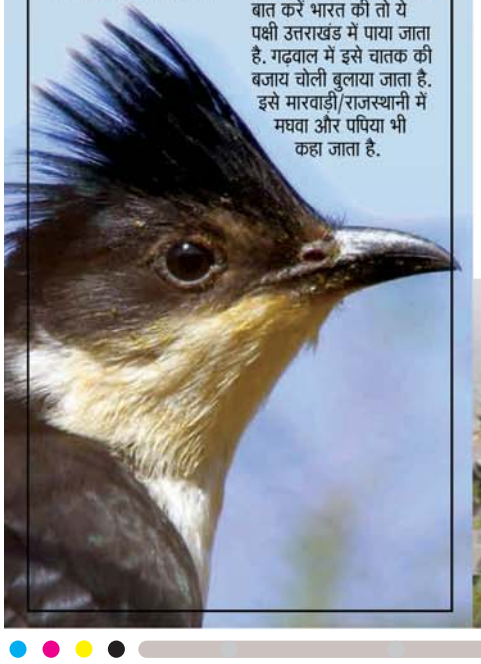

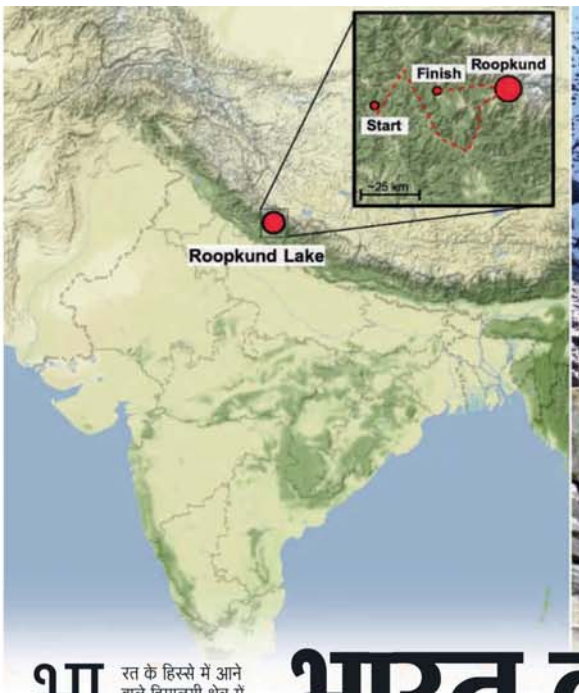

भारत की कंकालों वाली झील का रहस्य

भारत के हिस्से में आने वाले हिमालयी क्षेत्र में बर्फीली चोटियों के बीच स्थित रूपकुंड झील में एक अरसे से इंसानी हड्डियां बिखरी हैं. रूपकुंड झील समुद्रतल से करीब 16,500 फीट यानी 5,029 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है. ये झील हिमालय की तीन चोटियों, जिन्हें त्रिशूल जैसी दिखने के कारण त्रिशूल के नाम से जाना जाता है, के बीच स्थित है.त्रिशूल को भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में गिना जाता है जो कि उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित हैं.

आधी सदी से अनसुलझी है पहेली

रूपकुंड झील को कंकालों की झील कहा जाता है. यहां इंसानी हड्डियां जहां-तहां बर्फ में दबी हुई हैं. साल 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर ने गश्त के दौरान इस झील की खोज की थी. तकरीबन आधी सदी से मानवविज्ञानी और वैज्ञानिक इन कंकालों का अध्ययन कर रहे हैं. वहीं, बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं और ये झील उनकी जिज्ञासा का कारण बनी हुई है. साल के ज्यादातर वक्त तक इस झील का पानी जमा रहता है, लेकिन मौसम के हिसाब से यह झील आकार में घटती - बढ़ती रहती है. जब झील पर जमी बर्फ पिघल जाती है तब ये इंसानी कंकाल दिखाई देने लगते हैं. कई बार तो इन हड्डियों के साथ पूरे इंसानी अंग भी होते हैं जैसे कि शरीर को अच्छी तरह से संरक्षित किया गया हो. अब तक यहां 600 से 800 लोगों के कंकाल पाए गए हैं. पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड की सरकार इसे रहस्यमयी झील के तौर पर बताती है.

कंकालों वाली झील

गुजरी आधी सदी से ज्यादा वर्षों से वैज्ञानिकों ने इस झील में पड़े कंकालों का अध्ययन किया है और कई अनसुलझी पहेलियों को सुलझाने की कोशिश की है. उनके सामने कई सवाल थे. मसलन, ये कंकाल किन लोगों के हैं? इन लोगों की मौत कैसे हुई? ये लोग कहां से यहां आए थे? इन मानव कंकालों को लेकर एक पुरानी कहानी यह बताई जाती है कि ये कंकाल एक भारतीय राजा, उनकी पत्नी और उनके सेवकों के हैं. 870 साल पहले ये सभी लोग एक बर्फीले तूफान का शिकार हो गए थे और यहीं दफन हो गए थे.

कंकालों को लेकर कई थ्योरी

एक अन्य थ्योरी के मुताबिक, इनमें से कुछ कंकाल भारतीय सैनिकों के हैं जो कि 1841 में तिब्बत पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे और जिन्हें हराकर भगा दिया गया था. इनमें से 70 से ज्यादा सैनिकों को हिमालय की पहाड़ियों से होते हुए वापस लौटना पड़ा और रास्ते में उनकी मौत हो गई. एक अन्य कहानी के अनुसार माना जाता है कि यह एक कब्रगाह हो सकती है जहां किसी महामारी के शिकार लोगों को दफनाया गया होगा. इस इलाके के गांवों में एक प्रचलित लोकगीत गाया जाता है. इसमें बताया जाता है कि कैसे यहां पूजी जाने वाली नंदा देवी ने एक 'लोहे जैसा सख्त तूफान' खड़ा किया जिसके कारण झील पार करने वालों की मौत हो गई और वे यहीं झील में समा गए.

महिलाओं के कंकाल भी मौजूद

कंकालों को लेकर किए गए शुरुआती अध्ययनों से पता चला है कि यहां मरने वाले अधिकतर लोगों की ऊंचाई सामान्य से अधिक थी. इनमें से ज्यादातर मध्यम आयुवर्ग के थे जिनकी उम्र 35 से 40 साल के बीच रही होगी. इनमें उम्रदराज महिलाओं के भी कंकाल हैं लेकिन बच्चों का कोई भी कंकाल नहीं है. इन सभी का स्वास्थ्य अच्छा रहा होगा. साथ ही आमतौर पर ये माना जाता है कि ये कंकाल एक ही समूह के लोगों के हैं जो कि नौवीं सदी के दौरान किसी अचानक आई किसी आपदा के दौरान मारे गए थे. पांच साल तक चले एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि ये सभी कयास शायद सच नहीं हैं. इस अध्ययन में भारत समेत जर्मनी और अमेरिका के 16 संस्थानों के 28 सह-लेखक शामिल रहे हैं. वैज्ञानिकों ने जेनेटिक रूप से और कार्बन डेटिंग के आधार पर झील में मिले 38 इंसानी अवशेषों का अध्ययन किया. इनमें 15 महिलाओं के अवशेष शामिल हैं. इनमें से कुछ 1,200 साल पहले के हैं. अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि मरे हुए लोग जेनेटिक रूप से अलग-अलग हैं और उनकी मौतों के बीच में 1,000 साल तक का अंतर है. अध्ययन की मुख्य लेखिका ईडेओइन हार्ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पीएचडी की छात्र हैं. वे कहती हैं, इससे वे थ्योरी खारिज हो गई जिनमें कहा गया था कि किसी एक तूफान या आपदा में ये सभी मौतें हुई हैं. वे कहती हैं, अभी भी यह साफ नहीं है कि रूपकुंड झील में आखिर क्या हुआ था. लेकिन, हम यह बात जरूर कह सकते हैं कि ये सभी मौतें किसी एक घटना में नहीं हुई हैं. इससे भी ज्यादा दिलचस्प यह है कि जेनेटिक स्टडी से पता चला है कि ये लोग अलग-अलग मूल के थे. मसलन, इसमें एक समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त में दक्षिण एशिया में रहने वाले लोगों जैसे ही हैं, जबकि दूसरे समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त के यूरोप के लोगों से मिलते-जुलते हैं. खासतौर पर ये यूनान के द्वीप क्रीट में रहने वाले लोगों जैसे हैं. हार्न कहती हैं, जेनेटिक्स के आधार पर इनमें से कुछ इस उपमहाद्वीप के उत्तरी हिस्से के लोगों से मिलते-जुलते हैं, जबकि, अन्य दक्षिण हिस्से में बसे समूहों से मिलते-जुलते हैं.

नर कंकालों से भरा है पानी, होती हैं कई रहस्यमयी घटनाएं

सोचिए आप पहाड़ों के बीच किसी सुंदर झील घूमने के लिए गए हैं और अचानक आपको वहां पर कई सारे नर कंकाल दिख जाएं तो क्या करेंगे आप? हिमालय की रूपकुंड झील की कहानी कुछ ऐसी ही है। साल 1942 में यहां पर ब्रिटिश के फॉरेस्ट गार्ड को सैकड़ों नर कंकाल मिले थे। इस दौरान झील पूरी तरह मानवों के कंकाल और हड्डियों से भरी थी। इतने सारे कंकालों और हड्डियों को देख ऐसा आभास होता था कि शायद पहले यहां पर जरूर कुछ न कुछ बहुत बुरा हुआ था। शुरुआत में इसे देख कई लोगों ने यह कयास लगाया कि हो न हो यह सभी नर कंकाल जापानी सैनिकों के होंगे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में ब्रिटेन पर आक्रमण करने के लिए हिमालय के रास्ते घुसते वक्त मर गए होंगे। उस वक्त जापानी आक्रमण के भय से ब्रिटिश सरकार ने फौरन इन नर कंकालों की जांच के लिए एक वैज्ञानिकों की टीम को बुलाया। जांच के बाद पता चला कि ये कंकाल जापानी सैनिकों के नहीं थे, बल्कि ये नर कंकाल तो और भी ज्यादा पुराने हैं। इसके बाद समय समय पर इन कंकालों का परीक्षण होता रहा। इन परीक्षणों के आधार पर वैज्ञानिकों के मत अलग-अलग सामने निकलकर आए। कई वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्षों पहले यहां पर कई लोगों की मृत्यु हिमस्खलन के चलते हुई तो दूसरे वैज्ञानिकों का कहना है कि इन लोगों की मौत किसी महामारी के कारण हुई। रूपकुंड झील में नर कंकाल क्यों हैं? और कैसे हैं? इस पर वैज्ञानिकों का मत एकसमान नहीं है।

हालांकि 2004 में हुए एक अध्ययन ने रूपकुंड झील से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए। इस अध्ययन के जरिए यह पता चला कि ये कंकाल 12वीं से 15वीं सदी के बीच के थे। डीएनए जांच के बाद कई नई चीजें सामने निकलकर आईं। यह भी पता चला कि इन कंकालों का संबंध अलग-अलग भौगोलिक जगहों से था। अंत में वैज्ञानिकों ने बताया कि काफी समय पहले इन लोगों की मृत्यु किसी भारी गेंद जैसे आकार की चीजों का सिर पे गिरने से हुई थी।

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि हिमालय पर्वत पर रहने वाली महिलाओं के एक प्रसिद्ध लोकगीत में एक माता का वर्णन आता है। लोकगीत के मुताबिक ये देवी माता बाहर से आए लोगों पर गुस्सा करती थीं, जो यहां आकर पहाड़ की सुंदरता में खलल डालते थे। इसी गुस्से में उन्होंने भारी भरकम ओलों की बारिश करवाई, जिसके कारण कई लोगों की जानें गई थी। गौरतलब बात है कि 2004 में हुए रिसर्च में यही बात सामने निकल कर आई थी कि अचानक हुई भयंकर ओलावृष्टि से इन लोगों की जानें गई होंगी। वहीं आज भी इस रूपकुंड झील के कई रहस्य झील के भीतर ही दफन हैं। झील में प्रवेश करने पर सख्त प्रतिबंध है। लोगों का कहना है कि यहां पर अक्सर कई सारी रहस्यमय घटनाएं होती हैं।

क्या तीर्थयात्रा पर आए थे लोग?

झील के रास्ते में पड़ने वाले एक तीर्थस्थल से शायद इस बात का स्पष्टीकरण मिलता है कि लोग आखिर इस इलाके की यात्रा पर क्यों आए होंगे. अध्ययनों की मानें तो 19वीं सदी के आखिर तक इस इलाके में तीर्थयात्रा के कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिलते हैं. लेकिन, 8वीं और 10वीं सदी के स्थानीय मंदिरों में मिले शिलालेख इशारा करते हैं कि यहां उस दौर में लोग तीर्थयात्रा पर जाया करते थे. ऐसे में वैज्ञानिकों का मानना है कि इस जगह पर कुछ कंकाल उन लोगों के हो सकते हैं जिनकी मौत किसी तीर्थयात्रा के दौरान हुई होगी. लेकिन, पूर्वी भूमध्यसागरीय इलाके के लोग भारत के हिमालय की इन ऊंची पहाड़ियों पर मौजूद झील पर क्या करने गए थे? इस बात की उम्मीद कम जान पड़ती है कि यूरोप के लोग इतना लंबा सफर तय करके एक हिंदू तीर्थ यात्रा में हिस्सा लेने के लिए रूपकुंड पहुंचे होंगे. तो क्या ये हो सकता है कि पूर्वी भूमध्यसागरीय पूर्वजों की जेनेटिक रूप से अलग आबादी पीढ़ियों से इस इलाके में रह रही हो? हार्ने कहती हैं, हम अभी भी इन सब सवालों का जवाब ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं.

इस रहस्यमयी मंदिर में जाने के नाम से ही थरथर कांपने लगते हैं लोग

पूजा-पाठ और भूत प्रेत से छुटकारा पाने के लिए लोग मंदिर जाते हैं लेकिन हमारे देश में एक ऐसा मंदिर है जिसमें जाने से लोग कतराते हैं. कहा जाता है कि मंदिर के अंदर जाने पर भूतों और पिशाचों को डरने लगता है. लेकिन यह मंदिर ऐसा है जहां जाने से उल्टा लोग ही डर जाते हैं. दरअसल, हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक छोटे से कस्बे भरमोर में एक मंदिर है. ये मंदिर देखने में तो काफी छोटा है, लेकिन इसकी ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है. इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि लोग इस मंदिर के अंदर जाने की गलती कभी नहीं करते हैं. और भक्त मंदिर के बाहर से ही प्रार्थना कर चले जाते हैं. दरअसल, यह मंदिर मृत्यु के देवता यमराज का है. यही वजह है कि लोग इस मंदिर के पास जाने से भी डरते हैं. यह दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है जो यमराज को समर्पित है. लोगों का कहना है कि इस मंदिर को यमराज के लिए ही बनाया गया था. इसलिए इसके अंदर उनके अलावा और कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है. गांव के लोगों का कहना है कि इस मंदिर में चित्रगुप्त के लिए भी एक कमरा बनाया गया है, जिसमें वो इंसानों के अच्छे-बुरे कामों का लेखा-जोखा एक किताब में रखते हैं. ऐसा माना जाता है कि, मनुष्यों की मृत्यु के बाद, पृथ्वी पर उनके द्वारा किए गये कार्यों के आधार पर उनके लिए स्वर्ग या नर्क का निर्णय लेने का अधिकार चित्रगुप्त के ही पास है. यानि भगवान चित्रगुप्त ही मृत्यु के बाद इंसान के स्वर्ग या नरक में जाने का निर्णय लेते हैं. कहा जाता है कि इस मंदिर के अंदर चार छिपे हुए दरवाजे हैं जो कि सोने, चांदी, तांबे और लोहे के बने हुए हैं. माना जाता है कि जो लोग ज्यादा पाप करते हैं, उनकी आत्मा लोहे के गेट से अंदर जाती है और जिसने पुण्य किया हो, उसकी आत्मा सोने के गेट के अंदर जाती है.

कांग्रेस के नेतृत्व में ग्रामीणों ने घेरा आईजी दफ्तर-कलेक्टोरेट, संजय सिंह को गिरफ्तार करने की मांग

० रैली निकालकर कलेक्ट्रेट सामने किया धरना-प्रदर्शन
० सर्वदलीय प्रदर्शन में जुटे बड़ी संख्या में लोग

राजनांदगांव(दावा)। मोहड़ गोलीकांड में मुख्य आरोपित संजय सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीण सोमवार को आइजी कार्यालय और कलेक्टोरेट पहुंचे। कांग्रेसी नेताओं के साथ प्रदर्शन करते हुए उन्होंने मुख्य सरगना संजय सिंह की गिरफ्तारी को लेकर हल्ला बोला। वहीं कांग्रेस नेताओं ने इस पूरे मामले में राजनीतिक संरक्षण के चलते ही आरोपियों को प्रशासनिक संरक्षण मिलने का आरोप लगाया है।

ग्रामीणों ने आइजी अभिषेक शांडिल्य से मुलाकात कर मामले के मुख्य सरगना संजय सिंह के खिलाफ कार्रवाई को अपनी बात रखी। उन्होंने पुलिस प्रशासन से सवाल करते हुए पूछा कि, संजय सिंह कहां है। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द उसकी गिरफ्तारी की मांग की है। भीड़ में बड़ी संख्या में महिलाएं भी मौजूद थी। इस दौरान ग्रामीण कांग्रेस जिला अध्यक्ष भागवत साहू, कांग्रेस नेता जितेंद्र मुदलियार, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, आसिफ अली, सूर्यकांत जैन और अन्य कांग्रेसी भी उपस्थित थे।

जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि, सारे खुलासे होने के बाद भी मुख्य आरोपियों के खिलाफ पुलिस कुछ नहीं कर सकी है। घटना को 4 दिन बीत चुके हैं लेकिन मुख्य सरगना का कोई अता पता नहीं है। अलबत्ता पुलिस अधिकारियों की संलिप्तता ही इसमें सामने आ रही है।

ग्रामीणों के साथ पहुंचे जितेंद्र मुदलियार ने प्रशासन को कड़े तेवर दिखाए। यहां उन्होंने कहा कि, संजय सिंह कौन के सवाल पर डॉ. रमन सिंह मौन हैं। साफ हो चुका है कि, सत्तापक्ष के संरक्षण में संस्कारधानी में माफिया, गुंडे पाले जा रहे हैं जो निर्दोष ग्रामीणों पर गोली चलाने से भी नहीं हिचकते। राजनीतिक संरक्षण के चलते ही प्रशासनिक संलिप्तता और उनकी भागीदारी इसमें सामने आ रही है। यह शर्मनाक है कि, जिला प्रशासन, पुलिस आरोपितों को पोषित कर रही है। गृहमंत्री विजय शर्मा के प्रभार जिले में ऐसी करतूत सामने आने के बाद भी उन्होंने एक शब्द नहीं कहा। पूरा सिस्टम इस मामले में शामिल है। कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष आसिफ अली और सूर्यकांत जैन ने भी संजय सिंह की अब तक गिरफ्तारी ने होने को लेकर पुलिस पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि, अतुल तोमर को गिरफ्तार तो किया गया है लेकिन अब तक न बंदूक बरामद की गई है और न ही उसके साथियों का अता पता है।

इस दौरान मोहड़ के लोगों सहित जिला किसान संघ के नेता सुदेश टीकम जमकर गरजे और रेत माफिया द्वारा गोली चालन, गुंडागर्दी नहीं चलेगी, आरोपियों को फांसी दो जैसे नारे उछालते हुए प्रशासनिक व्यवस्था के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। वहीं महिलाएं हाथ में नारे लिखे तख्ती लेकर प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए अपनी आवाज बुलंद की।

इधर, ग्रामीणों ने आईजी अभिषेक शांडिल्य से मुलाकात की और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों पर मामले में संलिप्तता के आरोप लगाए। निलंबित निरीक्षक सत्यनारायण देवांगन को प्रकरण में आरोपी बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि, जिन जिन के नाम सामने आ रहे हैं उन पर सख्त कार्रवाई हो। जिस संजय सिंह को मुख्य सरगना बताया जा रहा है उसे अब तक गिरफ्तार नहीं किए जाने से भी ग्रामीण आक्रोशित हैं। भीड़ इसके बाद कलेक्टोरेट पहुंची। यहां उन्हें परिसर के बाहर ही रोक दिया गया जिसके बाद शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। ज्ञापन सौंपते हुए ग्रामीणों ने खनिज विभाग के अधिकारियों पर जमकर आरोप लगाए। उन पर रेत तस्करों को पनाह देने का गुस्सा फूटा।

इस दौरान रुपेश दुबे, अमीन हुड्डा, राकेश चंद्राकर, सुदेश टीकम, मदन साहू, स्वतंत्र दास साहू, उत्तम साहू, पदमिनी निषाद, खुलेश चंद्राकर, ओमप्रकाश चंद्राकर, लालाराम साहू, विकास चंद्राकर, यशवंत साहू, हितेश साहू, उकेश्वर साहू, कोमल निषाद, बाबूलाल साहू, मंत्री निषाद, मनीष चंद्राकर, नेहरु साहू, सुभाष साहू, गोबरु निषाद, टहलू निषाद, कोमल निषाद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

सीसीपीएल का समापन 2025 : राजनांदगांव पेंथर्स संयुक्त विजेता

रायपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीजन 2) का भव्य समापन समारोह कल रात्रि 9 बजे शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम रायपुर में संपन्न हुआ। लीग का फाइनल मुकाबला राजनांदगांव पैंथर्स एवं रायपुर रहीनोज़ के मध्य होना था परंतु पानी गिर जाने के कारण यह मुकाबला नहीं खेला जा सका और लीग के नियमानुसार दोनों ही टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। कल का फाइनल मुकाबला रोमांचक होने कि संभावनाओं को देखते हुए भारी संख्या में क्रिकेट प्रेमी अपनी अपनी टीमों के समर्थन में टी-शर्ट पहनकर खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करने स्टेडियम पहुंचे थे। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पिच क्यूरेटर एवं मैदानी प्रबंधन व्यवस्था को देखने वाले कर्मियों की अथक मेहनत एवं प्रयासों के पश्चात भी मुकाबला शुरु होने की संभावना खत्म हो गई थी।

पुरस्कार वितरण समारोह मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य एवं बीसीसीआई के उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य राजीव शुक्ला, खेल मंत्री टंकराम वर्मा, सीएससीएस के डायरेक्टर बलदेव सिंह भाटिया, विधायक खुशवंत सिंह, सीएससीएस के डायरेक्टर विजय शाहजी, बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया, सीएससीएस के अध्यक्ष जुबिन शाह, सचिव मुकुल तिवारी, लीग के चेयरमैन प्रमोद शंकर शर्मा की विशिष्ट उपस्थिति में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि विष्णुदेव साय ने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के लिए इसे बहुत ही महत्वपूर्ण प्लेटफार्म बताया। उन्होंने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के इन प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास जताया हैं कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी भी आईपीएल एवं राष्ट्रीय टीमों में खेलते नजर आएंगे। राजीव शुक्ला ने भी अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के इस भव्य आयोजन की सराहना करते हुए विश्वास दिलाया है कि आने वाले वर्षों में इस शानदार स्टेडियम में कई अंतर्राष्ट्रीय मैच निश्चित रूप से होंगे। संबोधन पश्चात अतिथियों ने दोनों ही टीमों के कप्तान राजनांदगांव पैंथर्स के अजय मंडल एवं रायपुर राइनोज के अमनदीप खरे को संयुक्त आमंत्रित करते हुए आकर्षक ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा खेल प्रेमी उपस्थित थे। लीग के सर्वाधिक विकेट लेने वाले एवं सर्वाधिक रन बनाने वाले सर्वश्रेष्ठ 6 लोगों में से 4 राजनांदगांव पैंथर्स के खिलाड़ी हैं।

आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का दौरा, मोहड़ जाकर गोली काण्ड स्थल का करेंगे निरीक्षण

राजनांदगांव (दावा)। शहर के ग्रामीण वार्ड मोहड़ में अवैध रेत उत्खनन व गोली काण्ड का मामला दिन-ब-दिन उग्र होते जा रहा है। हालांकि पुलिस प्रशासन द्वारा आरोपियों के खिलाफ़ धड़ाधड़ कार्रवाई कर उन्हें जेल की सीखचों के पीछे भेजा जा रहा है।

इसके बाद भी लोग उक्त मामले को लेकर आए दिन धरना प्रदर्शन रैली निकालकर कर मामले को गर्म बनाए रखने में ज्यादा संलग्न दिखाई पड़ रहे हैं। बता दें कि उक्त मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इसकी जांच के लिए जिले के विधायकों व जिला कांग्रेस अध्यक्षों की कमेटी गठित की है जिनके द्वारा रविवार को मोहड़ में जाकर ग्रामवासियों से मुलाकात भी की गई। गोली काण्ड के घायलों के परिवार से भी मिले।

गोली काण्ड के पीड़ितों से मिलने आ रहे बैज

अब स्वयं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज भी आज मोहड़ गोली काण्ड के लोगों से मिलने आ रहे हैं। आज मंगलवार 17 जून को उनका राजनांदगांव दौरा कार्यक्रम बना हुआ है।आज वे सुबह रायपुर से वे 12 बजे मोहड़ के लिए प्रस्थान करेंगे। लगभग एक डेढ़ बजे के करीब वे मोहड पहुंचकर 2 बजे गोलीकांड के पीड़ितों से मुलाकात करेंगे व ग्रामीणो से उक्त घटना के संबंध में चर्चा करेंगे। इसके बाद 3 बजे का समय उनका सर्किट हाउस आगमन होगा जहां उनका समय आरक्षित हैं। तत्पश्चात वे 4 बजे यहां से प्रस्थान कर साढ़े 5 बजे देवेंद्र नगर आफिसर्स कालोनी रायपुर पहुंच जाएंगे।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए आज से 29 जुलाई तक वार्डो में शिविर

फरवरी से मई माह के पेंशन का होगा भुगतान

राजनांदगांव (दावा)। नगर के सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये नगर निगम द्वारा प्रति माह पेंशन का भुगतान वार्डो में शिविर लगाकर किया जाता है। इसी कडी में हितग्राहियों को माह फरवरी से मई 2025 का पेंशन भुगतान के लिये वार्डों में 17 जून 2025 से 29 जुलाई 2025 तक प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 17 जून को बजरंगपुर वार्ड नं. 1 के लिये साहू धर्मशाला बजरंगपुर नवागांव में, 18 जून को महात्मा बुद्ध वार्ड नं. 2 के लिए लोधी भवन में, 19 जून को पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी वार्ड नं. 4 के लिये पंचायत भवन नया ढाबा व पुनारा ढाबा स्कूल के पास में एवं 20 जून को मोतीपुर वार्ड नं. 3 व रामनगर वार्ड नं. 8 के लिए मोतीपुर स्कूल सामुदायिक भवन में शिविर का आयोजन किया गया है। शेष वार्डो के लिये भी शिविर आयोजित किये जायेगे। निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों से वार्डो में आयोजित शिविर में प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक उपस्थित होकर माह फरवरी से मई 2025 की पेंशन का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने शिविर में लगे कर्मियों से कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन का कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देवे एवं कोई भी हितग्राही पेंशन लेने से वंचित न रहे, इस बात का विशेष ध्यान रखा जावे।

मरणावस्था में पहुंचा मरीज, मिला नया जीवनदान

डॉक्टरों ने झोंका पूरा अनुभव, 8 दिनों में स्वस्थ हुआ मरीज...

राजनांदगांव (दावा)। सर्प दंश से मरणावस्था में पहुंचा था मरीज, मेडिकल कॉलेज से महज 8 दिनों के इलाज से स्वस्थ कर घर लौटाया मरीज को मेडिकल कॉलेज सह हॉस्पिटल के डॉक्टरों और स्टाफ नर्सों ने।

बारिश के शुरू होते ही धरती के गर्भ में छिपे जहरीले जीव-जंतु बाहर आ जाते है, और ऐसे में हॉस्पिटलों में जहरीले जीव-जंतु के काटने से मरीजों की भर्ती संख्या में तेजी से इजाफा होने लगता है।

वैसे तो हर मरीज की जान बचाना डॉक्टर का प्रथम दायित्व होता है, और डॉक्टर मरीज को बचाने के लिए पूरी कोशिश भी करते है, परन्तु कुछ केश हॉस्पिटलों में ऐसे भी आ जाते है, जो डॉक्टरों और अन्य स्टाफ के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होते। ऐसा ही एक मामला आठ दिन पहले शासकीय मेडिकल कॉलेज सह हॉस्पिटल में आया जिसमें सांपों की सबसे विषैली प्रजातियों में से एक कोबरा प्रजाति के सांप का दंश इतना खतरनाक होता है, कि मिनटों में हाथी को सुला देता है।

लखोली निवासी 33 वर्षीय युवक मनोज (बदला हुआ नाम) अपने घर में सो रहा था, इसी दरमियान कोबरा सांप ने पीड़ित के लोअर के अंदर घुसकर कमर में काट लिया था। देर रात मरीज के परिजन मरीज को बेहोशी के हालत में लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे, लगभग मरणावस्था में पहुंचे मरीज को तत्काल वेंटिलेटर में डालकर इलाज शुरू किया गया। मेडिकल कॉलेज सह हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अतुल देशकर के दिशानिर्देश पर मेडिसीन विभाग के एचओडी डॉ. नवीन कुमार तिर्की के मार्गदर्शन पर मुख्य चिकित्सक डॉ. प्रकाश खूंटे अपनी टीम के साथ मरीज का इलाज शुरू किया। मरीज को बचाना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल की टीम के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। डॉ. प्रकाश खूंटे ने अपनी पूरी टीम के साथ अपना पूरा अनुभव मरीज को बचाने के लिए झोंक दिया। समय-समय पर डॉ. अतुल देशकर हॉस्पिटल अधीक्षक से मार्गदर्शन लेते हुए इलाज जारी रखा। शुरू के दो दिनों तक मरीज वेंटिलेटर पर बेहोशी में पड़ा रहा, डॉक्टरों और अन्य स्टाफ ने हार नहीं मानी और लगातार इलाज जारी रखा, तीसरे दिन मरीज को होश आया, मरीज के होश में आते ही डॉक्टरों और स्टाफ नर्सों ने राहत की सांस ली। 5 दिन बाद मरीज वेंटिलेटर से बाहर आया और आज 8 वें दिन पूर्णरूप से स्वस्थ होकर मरीज अपने घर के लिए रवाना हुआ।

लखोली निवासी 33 वर्षीय युवक मनोज (बदला हुआ नाम) मरीज पेशे से पुरानी गंज मंडी परिसर के हाटबाजार में सब्जी का पसरा लगाता है, बहुत ही गरीब युवक का पूरा परिवार पत्नी और दो बच्चे इसी पर निर्भर है, एक तरफ मनोज (मरीज) की हालत देखकर परिजन भी उम्मीद खो बैठे थे। लेकिन मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के डॉक्टरों की मेहनत और अनुभव काम आया और मरीज को ही नहीं पूरे परिवार को नया जीवनदान दिया।

मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ.अतुल देशकर व मेडिसीन विभाग के एचओडी डॉ.नवीन कुमार तिर्की, मेडिसीन विभाग के मुख्य चिकित्सक डॉ.प्रकाश खूंटे, एसोसिएट प्रोफेसर मेडिसीन विभाग सहायक चिकित्सक डॉ. चिन्मय डाकलिया, सीनियर रेजिडेंट मेडिसीन विभाग डॉ. गोपेश सिंह, डॉ. लक्की और डॉ. पराग साथ ही कैजुअल्टी विभाग के सभी स्टाफ नर्सेस रेखा वर्मा, राजलक्ष्मी साहू, मोहिनी निषाद, चंद्रकला तारम, पूजा निषाद, इंट्रनी डॉक्टर चंद्रभान, डॉ.भावना, डॉ.दिव्या पंजवानी पूरी टीम बधाई के पात्र है। बारिश के मौसम में सर्प दंश के मामले ज्यादा आते है, मरीज झाड़ फूंक बैगा गुनिया के चक्कर में अस्पताल लेट से पहुंचते है, जल्दी अस्पताल पहुंचने पर मरीज की जान बच सकती है।

ऐसा नहीं है कि शासकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज नहीं होता, यहां के अनुभवी और काबिल डॉक्टर और स्टाफ नर्सों की सूझबूझ कई लोगों की जान बचा चुके है। डॉक्टरों और अन्य स्टाफ की कमी से हॉस्पिटल में थोड़ा बहुत अव्यवस्था जरूर रहती है, लेकिन यदि मरीज और मरीज के परिजन यहां के डॉक्टरों और अन्य स्टाफ को सहयोग कर थोड़ा संयम बरते तो मरीज यहां से स्वस्थ होकर ही घर लौटता है।

इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल पहुंचने वाले मरीज और परिजन हड़बड़ाहट में मरीज को निजी अस्पताल की तरफ लेकर चले जाते है, जबकि हॉस्पिटल में पहुंचे ही मरीज को इलाज मिलना शुरू हो जाता है, मरीज के हालात में सुधार के लिए कुछ वक्त तो लगता ही है, लेकिन परिजन इन बातों को समझ नहीं पाते और मरीज को निजी अस्पतालों में ले जाते है, वैसे भी डॉक्टरों और स्टाफ की कमी से जूझ रहे मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में रोज सैकड़ों मरीज आते है, ऐसे में हर मरीज को परिजनों के हिसाब से समय देना डॉक्टरों के बस में नहीं होता, मरीज की स्थिति को देखकर डॉक्टर मरीज को इलाज और समय देते है, मरीज और परिजन को डॉक्टरों और अन्य मेडिकल स्टाफ का सहयोग देना और संयम बरतना पड़ता है।

डिप्टी कलेक्टर अभिषेक तिवारी को डोंगरगढ़ के एसडीएम का दिया गया दायित्व

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से जिले में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व अनुविभागीय दण्डाधिकारी डोंगरगढ़ मनोज कुमार मरकाम को जिला कार्यालय राजनांदगांव में डिप्टी कलेक्टर अभिषेक तिवारी के प्रभार के कार्यों का संपादन करने आदेशित किया है। साथ ही डिप्टी कलेक्टर अभिषेक तिवारी को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व अनुविभागीय दण्डाधिकारी डोंगरगढ़ के पद पर अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त पदस्थ किया गया है। एसडीएम डोंगरगढ़ अभिषेक तिवारी अपने अनुविभाग अंतर्गत भू-अर्जन अधिकारी, सक्षम प्राधिकारी लोक परिसर बेदखली अधिनियम, पंजीयक लोक न्यास, छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता दण्ड प्रक्रिया संहिता, पंचायत राज अधिनियम, विभिन्न नियमों व एक्ट अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी से संबंधित तथा समय-समय पर सौंपे गये कार्यों का निर्वहन करेंगे।

तहसीलदार, अतिरिक्त तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों का तहसील कार्यालयों में नवीन पदस्थापना

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से जिले में पदस्थ तहसीलदार, अतिरिक्त तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों की अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त तक तहसील कार्यालयों में नवीन पदस्थापना की है। इसके तहत तहसीलदार तहसील कार्यालय घुमका, नीलकंठ जनबंधु को तहसील कार्यालय डोंगरगढ़, तहसीलदार तहसील कार्यालय डोंगरगढ़ मुकेश कुमार ठाकुर को तहसील कार्यालय लाल बहादुर नगर सोनित मेरिया को अतिरिक्त तहसीलदार तहसील कार्यालय डोंगरगढ़, तहसीलदार अतिरिक्त तहसीलदार तहसील कार्यालय डोंगरगढ़ कमल किशोर साहू को तहसील कार्यालय लाल बहादुर नगर, नायब तहसीलदार तहसील कार्यालय डोंगरगांव अब्दुल वसीम सिद्दीकी को तहसील कार्यालय छुरिया में अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त पदस्थ किया गया है।

आवश्यकता है
प्रेस में रात्रिकालीन चौकीदार की आवश्यकता है।
अनुभवी व्यक्ति ही संपर्क करें।
-: संपर्क :-
दैनिक दावा कार्यालय
बल्देव बाग, राजनांदगांव
मो.- 93004-14726

शिक्षा विभाग की टीम द्वारा नवीन शैक्षणिक सत्र के पहले दिन 150 से अधिक स्कूलों का किया गया निरीक्षण

टीम द्वारा बच्चों को मुंह मीठा कराकर शाला प्रवेश कराया गया एवं पाठ्यपुस्तक व गणवेश का वितरण किया गया

राजनांदगांव (दावा)। शासन के निर्देशानुसार जिले के माध्यमिक, पूर्व माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। बच्चों को तिलक लगाकर एवं पाठ्यपुस्तक व गणवेश वितरण तथा मुंह मीठा कराकर प्रवेशोत्सव मनाया गया। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के निर्देशन में शिक्षा विभाग के जिला स्तरीय, विकासखंड स्तरीय तथा संकुल स्तर के अधिकारियों की टीम द्वारा जिले के सभी विकासखंडों के 150 से अधिक स्कूलों का सघन निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा शैक्षणिक कार्य का अवलोकन किया गया तथा बच्चों को शाला प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर बच्चों को पाठ्यपुस्तक व गणवेश का भी वितरण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल ने कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता, शिक्षकों की समय पर उपस्थिति एवं बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए शिक्षा विभाग की टीम द्वारा विद्यालयों का नियमित रूप से सघन निरीक्षण किया जाएगा।

समाजसेवी डॉ. रुबीना अल्वी अमलीडीह में शाला प्रवेश उत्सव में हुई शामिल

मुख्य अतिथि की हैसियत से बच्चों को दी शिक्षा

राजनांदगांव (दावा)। आज 16 जून को जिले भर के स्कूलों में आते ही शाला प्रवेश उत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर के नजदीक ग्राम अमलीडीह स्कूल में भी शाला प्रवेश उत्सव की धूम बनी रही। शहर की समाजसेवी व वरिष्ठ शिक्षाविद् (केमेस्ट्री विषय) रुबीना अल्वी ने मुख्य अतिथि के रुप में अमलीडीह स्कूल पहुंचकर नव प्रवेशित बच्चों को तिलक लगाकर एवं मीठा खिलाकर स्वागत किया। गर्मी छुट्टी बाद फिर से स्कूल आने वाले बच्चों से बड़े स्नेह से मिलते हुए शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति में बच्चों को गुलाल का तिलक लगाकर तथा उनका मुंह मीठा कराया और उन्हें शाला प्रवेश की शुभकामना व्यक्त की। इस दौरान बच्चों में खुशियां देखी गई। मुख्य अतिथि प्रदेश महिला कांग्रेस की सचिव श्रीमती अल्वी ने बच्चों को देश के भविष्य बताते हुए उन्हें अच्छे से पढ़-लिखकर बड़ा आदमी बनने व नाम कमाने तथा देश की सेवा करने शिक्षा दी। इस दौरान ग्राम अमलीडीह स्कूल की शिक्षक-शिक्षिकाएं व ग्रामवासी भी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com